@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चंडीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरुवार 5 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- रचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 205 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतरिक्ति)

आरसीबी की जीत पर मौत का कंलक....भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की चैंपियन आरसीबी के स्वागत में एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के बाहर फैंस का हुजूम उमड़ गया। जैसी ही गेट खुला फैंस में भगदड़ मच गई। इसी भगदड़ में आरसीबी की 18 साल बाद हुई जीत पर मौत का कंलाक लगा दिया। इस भगदड़ में अब तक 11 फैंस के मौत की खबर आई है। वहीं कई लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा हैं कि मरने वालों का यह आंकड़ा बढ़ सकता है। स्टेडियम के बाहर इतनी भीड़ हो गई थी कि फैंस अंदर जाने के लिए दीवार को फांद रहे थे। कई वीडियो सामने आए हैं कि फैंस पेड़ पर चढ़कर स्टेडियम के अंदर घुसने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये भगदड़ स्टेडियम के गेट नंबर-1 के पास हुआ है। स्टेडियम पहुंचने से पहले आरसीबी के खिलाड़ी विधान सभा पहुंचे थे। जहां मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके बाद खिलाड़ियों की टीम बस चिन्नास्वामी स्टेडियम के लिए रवाना हुई। बता दें कि आरसीबी की इस विक्ट्री परेड को ध्यान में रखते हुए बेंगलुरु में ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की गई थी।

भगदड़ मचने के बाद पुलिस ने घायलों को तुरंत बॉरिंग अस्पताल पहुंचाया।

बढ़ सकता हैं मरने वालों का आंकड़ा

8 मृतकों में से सात की पहचान पुरुष और एक की महिला के रूप में हुई है। अब तक कुल 27 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इनमें से 19 बोवरिंग में एडमिट किए गए थे, जिनमें से 07 लोगों की मौत हो गई और 8 माल्या रोड स्थित वैदेही अस्पताल में भर्ती कराए गए जिनमें से 04 लोगों की मौत हो गई। इस प्रकार कुल 11 लोगों को मौत हुई है और मौत का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा हैं कि घायल से मिलने खुद सीएम पहुंचे है। इसके पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर का नजारा हालांकि कुछ और ही था। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच प्रशंसक अंदर घुसने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए हजारों प्रशंसक विधान सौध के बाहर भी इंतजार करते दिखाई दिए। शहर में बारिश के मौसम ने भी अधिकारियों को ऐसा निर्णय लेने के लिए मजबूर किया होगा। इसके साथ ही आरसीबी की जीत के बाद कल रात भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा।

बीती रात से फैंस बेंगलुरु की सड़कों पर

पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 में आरसीबी की जीत के बाद फैंस सड़क पर उतर आए थे। जीत की फैंस ने बेंगलुरु में पूरी रात आतिशबाजियां। इसके बाद सुबह होते ही फिर फैंस की भीड़ सड़कों पर आने लगी। आरसीबी की टीम का विक्ट्री परेड पहले दोपहर के तीन बजे निकलना था, लेकिन भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि समय को बदलना पड़ गया। अत्यधिक भी भीड़ होने के कारण प्रशासन को नियंत्रित करने में भी काफी परेशानी हुई है।

आधिकारिक पुष्टि का है इंतजार

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सम्मान समारोह आयोजित हुआ था जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में फैंस जुटे। सामने आए कुछ वीडियो में पुलिस को घायलों और बेहोश हुए लोगों को पास के अस्पताल में ले जाते हुए दिख रही है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अक्टूबर 2026 से 4 राज्यों में जातीय जनगणना

-बाकी राज्यों में मार्च 2027 से होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में जातीय जनगणना 1 मार्च 2027 से कराने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जातीय जनगणना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले 4 पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कराई जाएगी। यहां 1 अक्टूबर 2026 से इसकी शुरुआत होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल को देश में आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

कमल हासन ने टिप्पणी पर माफी मांगने से किया इनकार, कोर्ट ने लगाई फटकार

-हाईकोर्ट फिल्म ठग लाइफ के रिलीज पर सुरक्षा देने की याचिका पर करा रहा सुनवाई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अभिनेता कमल हासन को उनके द्वारा की गई टिप्पणी पर माफी मांगने से इनकार करने पर फटकार लगाई। कोर्ट कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ के राज्य में रिलीज होने पर सुरक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। फिल्म के निर्माताओं ने कोर्ट को बताया

कि यह फिल्म 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जो पूरे देश में रिलीज की तय तिथि है, जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने अभिनेता हासन की टिप्पणी के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा बहिष्कार के आह्वान के मद्देनजर राज्य में फिल्म की रिलीज के लिए पर्याप्त सुरक्षा देने का अनुरोध किया था। केएफसीसी ने कमल हासन से माफी मांगने की मांग की है। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा कि अभिनेता एक बार माफी मांगने से स्थिति सुलझ सकती थी, उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल किसी की विशेष रूप से जनसमूह की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि अभिनेता के हालिया बयान से कर्नाटक के लोगों की भावना को ठेस पहुंची है। कोर्ट ने कहा कि लोगों की भावनात्मक और सांस्कृतिक पहचान होती है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है जो पूरे भाषाई समुदाय के गौरव को ठेस पहुंचाए। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने सवाल किया कि क्या आप कमल हासन इतिहासकार या भाषाविद् हैं जो ऐसा बयान दे रहे हैं? एक माफी से स्थिति सुलझ सकती थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा सहयोग और मजबूत करने पर फोकस

-ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री ने नेहरू पार्क में सुबह की दौड़ लगाई, मालचा मार्ग पर जाकर चाय पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस एमपी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर फोकस किया। दोनों देश इस बात पर भी सहमत हुए कि रक्षा और सुरक्षा व्यापक रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभ हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आज राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर भारत के वीरों को श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री ने आज मार्लेस से द्विपक्षीय वार्ता से पहले मुलाकात की। मार्लेस ने तीनों सेनाओं के सलामी गारद का निरीक्षण किया, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को रेखांकित किया गया। राजनाथ सिंह ने रिचर्ड मार्लेस एमपी के साथ अत्यंत उपयोगी बैठक के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने में उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और नेतृत्व हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है। पहलगाम में आतंकवाद के बर्बर कृत्य के खिलाफ दृढ़ प्रतिक्रिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के स्पष्ट समर्थन को लेकर भारत ने उनका आभार व्यक्त किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक में रिचर्ड मार्लेस ने कहा कि हम आपकी सरकार और प्रधानमंत्री मोदी तथा उनके नेतृत्व के प्रति बहुत आभारी हैं, जिसने हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को एक बिल्कुल अलग स्तर पर पहुंचा दिया है। हमें लगता है कि भारत के साथ हमारा रणनीतिक तालमेल पहले कभी इतना नहीं रहा, जितना अब है। यह दोस्तों के साथ मिलकर काम करने का समय है और हम निश्चित रूप से भारत को उसी नजरिए से देखते हैं। आपके साथ हमारे संबंध सर्वोच्च प्राथमिकता वाले हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों का रक्षा पहलू पूरे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।हमारे रक्षा संबंध दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम रक्षा और सुरक्षा की संयुक्त घोषणा के बारे में महत्वाकांक्षी होना चाहते हैं। हम समुद्री सुरक्षा और सहयोग रोडमैप के बारे में महत्वाकांक्षी होना चाहते हैं। हम दोनों को अपने रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाने में दो महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखते हैं। उन्होंने व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के लिए आभार जताते हुए भारत के राष्ट्रीय हित में भी काम करने की उम्मीद जताई।

कांग्रेस अमेरिका को दिवालिया बना रही

-ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल पर मस्क का फूटा गुस्सा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित नए बजट कानून वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट को लेकर अमेरिकी अरबपति और टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (जिसके मालिक खुद मस्क हैं) पर उन्होंने इस फंडिंग बिल को बेतुका, फिजूलखर्ची से भरा और शर्मनाक बताते हुए कांग्रेस पर अमेरिका को दिवालिया बनाने का आरोप लगाया।

मस्क ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैं अब और सहन नहीं कर सकता। यह बिल विशाल, बेतुका और घिनौना है। इससे बजट घाटा 2.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। जिन नेताओं ने इसके पक्ष में वोट दिया, उन्हें शर्म आनी चाहिए। मस्क को बिल के 5 बिंदुओं पर आपत्ति है, जिनमें 2017 के इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में कटौती को स्थायी बनाना। ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स छूट का प्रस्ताव। अवैध इमिग्रेशन रोकने के लिए भारी बॉर्डर और सैन्य खर्च। सरकारी भ्रष्टाचार रोकने के उपाय, लेकिन प्रभावी नहीं कहे जा रहे। और कर्ज की अधिकतम सीमा बढ़ाना, जिससे अमेरिका और अधिक कर्ज ले सके।

क्या है वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट?

यह बिल ट्रम्प के 2017 के टैक्स कट्स को स्थायी बनाता है और अमेरिकी सेना व बॉर्डर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाता है। वहीं दूसरी ओर, गरीबों की स्वास्थ्य सेवाएं, फूड सपोर्ट और वेलफेयर स्कीमों में कटौती की जा रही है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, इस बिल से अगले 10 वर्षों में अमेरिका पर 3.8 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त कर्ज बढ़ेगा।

ट्रम्प और व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया

ट्रम्प ने बिल की तारीफ करते हुए कहा है कि यह अविश्वसनीय है और बजट घाटा कम करने में मदद करेगा। वहीं व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को एलन मस्क की राय पहले से पता थी, लेकिन ट्रम्प इस बिल को अमेरिका के लिए सही दिशा में कदम मानते हैं। वहीं मस्क ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जनता को धोखा देने वालों को हटाएं। मस्क ने एक और पोस्ट में कहा है, कि अगले साल नवंबर में हम उन सभी नेताओं को बाहर करेंगे जिन्होंने जनता को धोखा दिया है।

अमेरिका में बजट और टैक्स नीति को लेकर सत्ता और कॉर्पोरेट के बीच टकराव गहराता जा रहा है। मस्क और ट्रम्प जैसे दो प्रभावशाली व्यक्तित्वों के आमने-सामने आने से राजनीतिक और आर्थिक बहस और भी तीखी होने की संभावना है।

'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' 2.0 का शुभारंभ होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' 2.0 का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन लाइफ के विजन को आगे बढ़ाने के मकसद से ही इस मुहिम के दूसरे चरण की शुरुआत हो रही है। इसके तहत 10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मुहिम के शुरू होने से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देशवासियों खासकर विद्यार्थियों से अपील की है कि वो इससे अधिक से अधिक जुड़े और पेड़ लगाएं। उन्होंने कहा, 'एक पेड़ मां के नाम' 2.0 के रूप में हमारा लक्ष्य है कि पांच जून से 30 सितंबर तक 10 करोड़ पौधे लगाए जाएं लेकिन यह अभियान सिर्फ आंकड़े के बारे में नहीं है बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे प्रेम और जिम्मेदारी की भावनाओं के प्रतीक है। यह अभियान एक ऐसे भविष्य के प्रति समर्पण है जहां प्रकृति हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा हो। इसी के साथ केंद्रीय मंत्री ने नए लोगों से अपनी मां के नाम पेड़ लगाने, उसकी देखभाल करने और उसे बढ़ते हुए देखने और फिर उसकी कहानी सभी को सुनाने की अपील की।

21 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त 2025 तक चलेगा मानसून सत्र

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने मानसून सत्र की तारीखों का ऐलान कर दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस दौरान दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही चलेगी और विभिन्न विधायी व गैर-विधायी कार्यों पर चर्चा होगी। रिजिजू ने कहा कि सत्र के दौरान कई अहम विधेयकों को पेश करने और चर्चा के लिए लाने की तैयारी की जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने सभी दलों से सहयोग की अपील कर कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि यह सत्र सुचारू रूप से चले और देशहित में सकारात्मक चर्चा की जाए। उन्होंने कहा, 'जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप संसद को कार्य करना चाहिए। विपक्ष की भागीदारी लोकतंत्र की आत्मा है, और हम सभी से रचनात्मक सहयोग की आशा करते हैं।' '

आईएमडी ने देश के पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की चेतावनी दी है, जबकि मेघालय में अत्यधिक भारी वर्षा होगी और उसके बाद तीव्रता में कमी आएगी। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में गरज और तेज़ हवाओं के साथ वर्षा जारी रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, गंगीय पश्चिम बंगाल, गुजरात क्षेत्र, कोंकण, पश्चिम मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गईं। इसके अलावा पिछले चौबीस घंटों के दौरान जम्मू और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि देखी गई।

आईएमडी ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिणी पंजाब और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी बांग्लादेश और एक अन्य पूर्वोत्तर असम और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है। दक्षिण गुजरात और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर अक्षांश 22एह्र के उत्तर में देशांतर 87एश्च के साथ-साथ एक उत्तर-दक्षिण गर्त बना हुआ है। इन ??प्रणालियों के प्रभाव में पूर्वोत्तर भारत में अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की एवं मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है, मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा हो सकती है। आईएमडी ने कहा कि अगले 7 दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 4 जून को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 4 से 8

जून के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 4 और 5 जून को बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में गरज के साथ हवाएँ चलने की संभावना है। वहीं, 4 जून को बिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से 70 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। आईएमडी ने 4 जून को बिहार में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई है।

इसके अतिरिक्त बुधवार को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

वहीं, 4 जून को हिमाचल प्रदेश में 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से आंधी-तूफान चलने की संभावना है, जो बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। 7 से 9 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि 4 जून को केरल और माहे, तटीय कर्नाटक में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होगी, जबकि 4 जून को केरल में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होगी। चार से आठ जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ छींटे, बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

इसके अलावा मौसम विभाग ने मछुआरों को 4 जून को कर्नाटक और केरल के तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप क्षेत्र में न जाने की सलाह दी है। आईएमडी ने मछुआरों को 4 और 5 जून को पश्चिम मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में, 4 से 8 जून के दौरान सोमालिया तट के साथ-साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में और पांच जून को उत्तरी तमिलनाडु तट और उससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर न जाने की सलाह दी है।

आज अयोध्या में राजा राम के साथ अन्य देवी-देवताओं के 5 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा

-अभीजित मुहूर्त में 101 वैदिक आचार्य की मौजूदगी में होगा कार्यक्रम

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु राम की नगरी अयोध्या में स्थित राम मंदिर में द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन शुरू हो गया है। 5 जून को गंगा दशहरा के मौके पर अभीजित मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि मंदिर परिसर के प्रथम तल पर स्थित राम दरबार और अन्य देवी-देवताओं के 5 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा 3 से 5 जून के बीच संपन्न होगी। मुख्य कार्यक्रम 5 जून को किया जाएगा, जब सभी देवी देवता अपने अपने भवन में विराजमान हो जाएगें। बता दें कि इससे पहले साल 2024 में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम बाल स्वरूप में स्थापित हुए थे। अब दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने शाहदरा जमीन पर गुरुद्वारे को दिया अधिकार, वक्फ बोर्ड की याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को खारिज करते हुए शाहदरा स्थित विवादित जमीन को गुरुद्वारे के अधिकार में दे दिया है। वक्फ बोर्ड का दावा था कि इस जमीन पर पहले एक मस्जिद 'तकिया बाबर शाह' हुआ करती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब जब वहां वर्षों से एक गुरुद्वारा स्थापित है और धार्मिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही हैं, तो वक्फ बोर्ड को अपना दावा छोड़ देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, कि यह कोई किसी तरह का ढांचा नहीं, बल्कि एक सुचारू रूप से कार्यरत गुरुद्वारा है। एक धार्मिक स्थल कार्य कर रहा है, तो उसे वहीं रहने दें। इस पर वक्फ बोर्ड की ओर से तर्क देते हुए वक्फ बोर्ड के वकील संजय घोष ने कहा, कि निचली अदालतों ने माना था कि गुरुद्वारे से पहले वहां एक मस्जिद थी। वह वक्फ की संपत्ति थी, यानी धार्मिक उद्देश्यों के लिए दान की गई ज़मीन। यही वजह थी कि वक्फ बोर्ड ने इस संपत्ति की वापसी के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

प्रतिवादी का तर्क और पृष्ठभूमि

प्रतिवादी पक्ष ने दलील दी कि यह जमीन 1953 में मोहम्मद अहसान द्वारा बेच दी गई थी, और उसके बाद कब्जा भी हो गया। हालांकि, उक्त बिक्री के कोई ठोस दस्तावेज कोर्ट में नहीं पेश किए जा सके।

मामला जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से अपनी याचिका वापस लेने की सलाह दी। अदालत ने दो टूक कहा कि सिर्फ यह कहना कि पहले मस्जिद थी, पर्याप्त नहीं है, जब तक कि दावे को ठोस साक्ष्यों के साथ साबित न किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

अप्रवासन नीति को सख्त न करने पर गिर सकती है नीदरलैंड सरकार, दक्षिणपंथी गीर्ट विल्डर्स ने दी धमकी

हेग, एजेंसी। नीदरलैंड की 11 माह पुरानी सरकार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। दरअसल गठबंधन सरकार में शामिल गीर्ट विल्डर्स सरकार से समर्थन वापस लेने पर विचार कर रहे हैं। गठबंधन सरकार में चार पार्टियां शामिल हैं और अगर गीर्ट विल्डर्स समर्थन वापस लेते हैं तो सरकार अल्पमत में आ जाएगी। दरअसल बीते हफ्ते विल्डर्स ने सरकार से मांग की थी कि अप्रवासन को तेजी से कम करने के लिए 10 बिंदू योजना पर हस्ताक्षर करे। इस योजना में विल्डर्स ने देश की सीमाओं की रक्षा और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए सेना की तैनाती की भी मांग की है। उनका कहना है कि अगर अप्रवासन नीति को सख्त नहीं किया गया तो उनकी पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेगी। नीदरलैंड सरकार पर संकट के बादल ऐसे वक्त मंडरा रहे हैं, जब नीदरलैंड तीन हफ्ते बाद ही हेग में नाटो नेताओं की अहम बैठक होनी है। सोमवार को रात को गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें गीर्ट विल्डर्स भी शामिल हुए। बैठक के बाद विल्डर्स ने कहा कि कल फिर से बैठक होगी, लेकिन हालात ठीक नहीं लग रहे हैं। विल्डर्स के बयान से साफ है कि सहमति नहीं बन पा रही है और वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। गीर्ट विल्डर्स एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं, जो नीदरलैंड में इस्लाम और अप्रवासन नीति के बड़े विरोधी हैं। विल्डर्स लंबे समय तक विपक्ष में रहे हैं, लेकिन नवंबर 2023 में हुए चुनाव में उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं थी और सत्ताधारी गठबंधन में उनकी पार्टी सबसे बड़ी है। विल्डर्स ने कहा कि कई महीने की बातचीत के बाद अब उनका सब्र जवाब दे रहा है। इससे पहले फरवरी में भी विल्डर्स ने गठबंधन से नाता तोड़ने की धमकी दी थी क्योंकि शरणार्थियों की संख्या सीमित करने की उनकी मांग पूरी नहीं हो रही थी। हालांकि बाद में विल्डर्स मान गए थे।

न्यूजीलैंड में महिला सांसद ने संसद में दिखाई खुद की न्यूड फोटो, वजह भी बताई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड में एक महिला सांसद के फैसले की चर्चा हो रही है। खबर है कि वह एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से तैयार की गई खुद की फेक न्यूड फोटो लेकर संसद पहुंची थीं। दरअसल, वह दिखाना चाहती थीं कि किसी की झूठी तस्वीर तैयार करना कितना आसान है और यह कितना नुकसान पहुंचा सकता है। वह इस संबंध में कानून बनाने की मांग कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसीटी पार्टी की सासंद लॉरा मैक्ल्योर खुद की एक तस्वीर लेकर पहुंची थीं। उन्होंने कहा, यह मेरी नग्न तस्वीर है, लेकिन यह असली नहीं है। उन्होंने कहा, खुद की डीपफेक बनाने में मुझे 5 मिनट से भी कम समय लगा है। उन्होंने संसद में खुलकर अपनी तस्वीर दिखाई और विरोध दर्ज कराया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा, मैं संसद के अन्य सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती थी कि ऐसा करना कितना आसान है और इसकी वजह से कितना नुकसान हो रहा है। खासतौर से हमारे युवा किवी कितने प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, तकनीक परेशानी नहीं है, बल्कि परेशानी है कि इसका गलत इस्तेमाल लोगों को प्रताड़ित करने के लिए हो रहा है। हमें इसके लिए कानून बनाने होंगे। वह डीपफेक डिजिटल हार्म एंड एक्सप्लॉइटेशन बिल का समर्थन कर रही हैं। खबर है कि रिवेंज पोर्न और निजी पलों की रिकॉर्डिंग के संबंध में पहले से बने कानूनों में संशोधन करेगा और बगैर सहमति के डीपफेक बनाने और शेयर करने को अपराध बनाएगा। इसके अलाव इस कानून के तहत पीड़ितों को कंटेट हटवाने और न्याय पाने का भी रास्ता साफ हो जाएगा। एक अन्य पोस्ट में मैक्ल्योर ने लिखा, किसी को भी डीपफेक का निशाना नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे कानून इसके लिए तैयार नहीं हैं और यह चीज बदलनी होगी।

गाजा में खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी, 3 लोगों की मौत, 30 घायल

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा में सोमवार सुबह को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज्यादा घायल हो गए। अल जजीरा के मुताबिक, 卐इजरायली सेना ने बिना किसी चेतावनी के खाना लेने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चला दी।卐 अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों ने इसकी निंदा की है, क्योंकि इससे हालात और खराब हो रहे हैं और जरूरतमंदों तक मदद नहीं पहुंच पा रही। यूनाइटेड नेशन ने गाजा में बार-बार हो रही ऐसी गोलीबारी की स्वतंत्र जांच की मांग की है। ये गोलीबारी सुबह उसी इजराइल समर्थित सहायता केंद्र पर हुई, जहां एक दिन पहले भी फायरिंग हुई थी। जिसमें 31 लोगों की मौत हो गई थी, और करीब 200 लोग घायल हुए थे। अल जजीरा को प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली स्नाइपर्स और ड्रोन गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (त्र।।स्र) के सहायता केंद्रों पर नजर रखते हैं। इसे इजराइल और अमेरिका से समर्थन मिलता है। फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार पिछले 24 घंटों में अलग-अलग इजरायली हमलों में कम से कम 51 लोग मारे गए और 503 घायल हुए है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, गाजा का 80त्न हिस्सा अब इजराइली नियंत्रण में है या जबरन खाली कराया गया है। 23 लाख लोग अब दक्षिणी गाजा के छोटे से इलाके में रहने को मजबूर है।

पाकिस्तान में कराची की जेल से 216 कैदी भागे: भूकंप के बाद अफरातफरी में मेन गेट से फरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले।

भूकंप के बाद कैदियों ने धक्कामुक्की की : गृह मंत्री लांजार ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था। इसी अफरा-तफरी में 100 से ज्यादा कैदियों ने मेन गेट की तरफ धक्का-मुक्की शुरू की और भाग निकले। जेल प्रशासन के मुताबिक तलाशी अभियान अब भी जारी है। इस अभियान में स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स , रेंजर्स और फ्रंटियर कोर की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। घटना के तुरंत बाद जेल का नियंत्रण रेंजर्स और एफसी ने संभाल लिया। आईजी जेल, डीआइजी जेल और जेल मंत्री ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

हादसे में एक कैदी की मौत, 4 सुरक्षाकर्मी घायल : घटना में एक कैदी की मौत की खबर है। वहीं, 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री ने माना कि प्रशासनिक लापरवाही भी इस घटना का कारण हो सकती है। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को पूरी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को जेल जाकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए। सिंध के राज्यपाल कामरान टेसोरी ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए गृह मंत्री और द्बत्न सिंध पुलिस से सभी कैदियों को जल्द गिरफ्तार करने को कहा। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि हर फरार कैदी की पहचान और रिकॉर्ड उपलब्ध है। उनके घरों और आसपास के इलाकों में छापेमारी जारी है। जेल मंत्री ने कहा कि लापरवाह अफसरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से चैक पोस्ट्स और निगरानी सख्ती बरती जा रही है।

पिछले साल जुलाई में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की रावलकोट जेल से 19 कैदी फरार हो गए थे। इनमें से 6 को मौत की सजा सुनाई गई थी। घटना पुंछ के रावलकोट जेल की है, जो मुजफ्फराबाद से करीब 110 किमी दूर है। रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक कैदी ने पहरेदार से उसकी लस्सी बैरक तक लाने के लिए कहा था। जब पहरेदार लस्सी देने पहुंचा, तब कैदी ने बंदूक तानकर उसे दबोच लिया और उसकी चाबियां छीन लीं। इसके बाद कैदी ने बाकी बैरक का ताला भी खोल दिया था। फिर सभी कैदी मेन गेट की तरफ भागे। इस दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कैदी की मौत हो गई थी। पाकिस्तान में इससे पहले भी कई बार आतंकियों के जेल तोड़कर भागने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 2012 में पाकिस्तान के बन्नू शहर में 400 कैदी जेल से फरार हो गए थे।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म:कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेंडिस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी। यह वार्ता ऐसे वक्त में हुई जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस बारे में पूछे जाने पर रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कल का इंतजार कीजिए। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी। यूक्रेन के हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है, इसके बाद पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए मिलिट्री यूनिफॉर्म में पहुंचा है। यूक्रेन की तरफ से रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव और रूस की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के करीबी व्लादिमिर मेंडिस्की इस बातचीत में भाग लिया। कैदी अदला-बदली: 16 मई को इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने 1-1 हजार कैदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई थी।

सीजफायर: यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर की मांग की थी, लेकिन रूस ने इसे स्वीकार नहीं किया। रूस ने शर्त रखी कि यूक्रेन को चार इलाकों (दोनेत्स्क, लुहान्स्क, जपोरिझिया, खेरसॉन) से पूरी तरह पीछे हटना होगा, जिनमें लगभग 1.1 करोड़ यूक्रेनी नागरिक रहते हैं। जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया था।

शांति समझौता: तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा था कि दोनों देश दोबारा मिलने को तैयार हैं, लेकिन कोई नई तारीख तय नहीं हुई। रूस ने यूक्रेन को शांति समझौते का मसौदा देने की बात कही।

चीन में शी जिनपिंग के करीबी पूर्व जनरलर छील्यांग का निधन, बीजिंग में 75 साल की उम्र में आखिरी सांस ली

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी माने जाने वाले पूर्व टॉप जनरल शू छील्यांग का सोमवार को बीजिंग में निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे। चीन के रक्षा मंत्रालय ने उनके निधन की जानकारी दी। शू छील्यांग पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की सर्वोच्च निगरानी संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष रहे थे और शी जिनपिंग के शुरुआती कार्यकाल में सेना के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते थे। उस दौर में शी सेना और नौसेना को सेना की नीति-निर्माण संस्था में बड़ी भूमिका देने लगे थे, जिसे लंबे समय तक थल सेना) का वर्चस्व प्राप्त था। शू ने 1966 में पी एल ए जॉइन की थी, जब चीन में माओ के नेतृत्व में सांस्कृतिक क्रांति का तूफानी दौर शुरू हो रहा था। वर्षों की सेवा के बाद वे वायुसेना के जनरल बने और सेना में महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे।

संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके मंगोलिया के प्रधानमंत्री, कड़े विरोध के बाद दिया इस्तीफा

उलान बतोर , एजेंसी। लोकतंत्र कायम करने की राह पर चल रहे मंगोलिया में सियासी उथल-पुथल है। अपने बेटे के बेतहाशा खर्च को लेकर विरोध का सामना कर रहे प्रधानमंत्री ओयुन-एर्डीन लुव्सन्नामसराय संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह इस्तीफा दे दिया। वॉशिंगटन में मंगोलिया के दूतावास ने इसकी पुष्टि की। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री ओयुन-एर्डीन लुव्सन्नामसराय को 44 वोट मिले, जो आवश्यक 64 से काफी कम है। दरअसल प्रधानमंत्री के बेटे के खर्च को लेकर कई सप्ताह से विरोध प्रदर्शन हो रहा था। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री से पद छोड़ने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश की खनिज संपदा से व्यापारिक हितों और धनी लोगों को लाभ हुआ है, जबकि कई मंगोल लोग अभी भी गरीबी में जी रहे हैं। इसके बाद संसद में विश्वास मत को लेकर मतदान कराया गया। मतदान से पहले ओयुन-एर्डीन ने चेतावनी दी कि इससे अस्थिरता पैदा हो सकती है और मंगोलिया का नया लोकतंत्र हिल सकता है। उन्होंने कहा कि अगर शासन अस्थिर हो जाता है, आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। राजनीतिक दल आम सहमति पर नहीं पहुंच पाते हैं। इससे जनता

का संसदीय शासन में विश्वास खत्म हो सकता है और हमारी लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली के ढहने का खतरा हो सकता है। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि मैंने बड़ी परियोजनाओं को बहुत अधिक समय दिया, जबकि सामाजिक और आंतरिक राजनीतिक मामलों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। ओयुन-एर्डीन चार वर्षों तक इस पद पर रहे थे तथा इससे पहले भी उन्हें पद छोड़ने के लिए कहा गया था।

मंगोलिया में पिछले साल बनी थी गठबंधन सरकार : मंगोलिया में पिछले साल चुनावी सुधारों के बाद संसद की सीटें 76 से बढ़ाकर 126 कर दी गईं। इसके बाद गठबंधन सरकार बनी। रूस और चीन के बीच घिरा मंगोलिया लोकतांत्रिक बनने के लिए संघर्ष कर रहा है। शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के पतन के बाद से यह लोकतंत्र में तब्दील हो रहा है। सामरिक एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में भारत एवं एशियाई अर्थव्यवस्था की उप निदेशक एवं वरिष्ठ फेलो एरिन मर्फी ने कहा कि लोकतंत्र के लिए आधार तैयार करना बहुत कठिन है। ऐसे समय में मंगोलिया को आर्थिक समस्याओं से भी निपटना होगा। हमें अभी भी देखना है कि आगे क्या होता है और नई सरकार इन मुद्दों से निपटने की क्या योजना बनाती है? मंगोलिया में लोकतंत्र अभी तक पनप नहीं पाया है, लेकिन यह जड़ें जमा रहा है।

ब्रिटेन आतंकवाद से लड़ने के भारत के प्रयासों के साथ: ब्रिटिश सांसद

लंदन, एजेंसी। लेस्टर पूर्व से ब्रिटिश सांसद शिवानी राजा ने रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने इसे सकारात्मक बैठक बताया। उन्होंने भारत के साथ काम करने और आतंकवाद से निपटने के प्रयासों में उसका समर्थन करने की इच्छा जताई। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में शिवानी राजा ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने ब्रिटेन और अन्य देशों से आतंकवाद की निंदा करने और इसके खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के बारे में उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी भारत के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल के साथ अपने पार्टी मुख्यालय में कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के साथ एक गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी पूरी की है। यह वास्तव में एक सकारात्मक बैठक थी, उस बैठक से बहुत कुछ सीखने को मिला। कुल मिलाकर यह वास्तव में सकारात्मक थी और हम भारत के साथ काम करने और

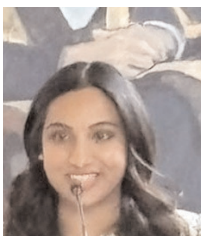

आतंकवाद से निपटने के उनके प्रयासों में उनका समर्थन करने के लिए तत्पर हैं। जब भी हम आतंकवाद देखें, तो उसका विरोध करें उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवाद की निंदा की है। ब्रिटेन की शैडो विदेश मंत्री प्रीति पटेल ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। शिवानी राजा ने कहा, ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवादी हमलों की निंदा की है, चाहे वह पहलगाम में हो या दुनिया के किसी अन्य देश में। यह कोई अलग बात नहीं थी। प्रीति पटेल ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया और मुझे लगता है कि इस दुनिया के नागरिक के रूप में चाहे आप राजनीति में हों या नहीं, हम सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि जब भी हम आतंकवाद देखें, तो उसका विरोध करें। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयासों की सराहना की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए शिवानी राजा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब देने में भारत शानदार काम कर रहा है। ब्रिटेन और अन्य देशों को भी आतंकवाद की निंदा करने के लिए खड़े होने की जरूरत है। ब्रिटेन यही कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ब्रिटेन को क्या प्रयास करने चाहिए? उन्होंने कहा, हमें आतंकवादी हमलों की निंदा करनी चाहिए और आतंकवाद को जहां भी हम देखें, उसका विरोध करना चाहिए, चाहे वह किसी भी देश का हो। मैं यही कर रही हूं, मेरी पार्टी यही कर रही है और यहां की सरकार भी यही कर रही है।

टमाटर मत खाना, अमेरिकी सरकार दे रही लोगों को सलाह, 14 राज्यों में दुकानों से भी हटवाया

वाशिंगटन, एजेंसी। इन दिनों अमेरिका के लोगों को टमाटर ना खरीदने और ना खाने की सलाह दी जा रही है। इसकी वजह है टमाटर के कई वैरायटी में खतरनाक बैक्टीरिया होने का पता चलना। देश की स्वास्थ्य एजेंसी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए के अधिकारियों ने बताया है कि उन्हें आशंका है कि इन टमाटरों में साल्मोनेला हो सकता है। खबर सामने आने के बाद अमेरिका के 14 राज्यों में दो प्रकार के टमाटरों को दुकानों से हटवा दिया गया है। एफडीए ने इससे पहले 2 मई को एक आदेश जारी कर टमाटरों को वापस लेने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ती जा रही है। एफडीए ने अपने नए आदेश में लोगों से कहा, ÷एफडीए लोगों से अपील करता है कि जिन्होंने टमाटर खरीदे हैं, वे उन्हें न खाएं। वे या तो इसे वापस कर दें, या उसे फेंक दें।÷ अधिकारियों ने यह भी कहा है कि जिन लोगों ने प्रभावित टमाटर खाए हैं और उनमें कोई भी लक्षण दिखाए देते हैं, तो वे जल्द से जल्द अस्पताल में रिपोर्ट करें। एफडीए ने बताया है कि बैक्टीरिया से संक्रमित टमाटर तीन राज्यों में बेचे जा चुके थे। इनमें जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना शामिल है। एफडीए के अनुसार इन राज्यों में 23 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच दूषित टमाटर बेचे गए। हालांकि इसे खाने से अभी तक के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन अधिकारी लोगों से बेहद सावधानी बरतने की अपील कर रहे हैं। साल्मोनेला बैक्टीरिया

कितना खतरनाक है? रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक साल्मोनेला यह एक हानिकारक माइक्रोर्गनिज्म है। गलती से इंसानों तक पहुंचने के बाद 12 से 72 घंटों के भीतर यह दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन को ट्रिगर कर सकता है। जहां ज्यादातर लोग बिना इलाज के ठीक हो सकते हैं, वहीं बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्युनिटी सिस्टम वाले लोगों में यह गंभीर और घातक संक्रमण का कारण बन सकता है। गर्भवती महिलाओं को भी खतरा है। एफडीए ने बताया है कि फ्रीजिंग और सुखाने से बैक्टीरिया की वृद्धि को रोका जा सकता है।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ा रही है। अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है। वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है। सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर आरोपों में केस दर्ज हुआ है।

कार्रवाई के डर से अंडरग्राउंड हुए आंदोलन के नेता मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है। आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है। आंदोलन के खिलाफ ओली की पार्टी समेत तीनों बड़े दल एकजुट पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है। सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व

माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे। पूर्व नेपाल नरेश झापा के 'मिनी पैलेस' में बना रहे रणनीति पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने काठमांडू से दूरी बना ली है। वे झापा के दमक में 'मिनी पैलेस' में रह रहे हैं। दो हफ्ते वहीं रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूव-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी व उनके बेटे सक्रिय पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। फोटोः प्रकाश चन्द्र तिमिल्सेना काठमांडू में रविवार को नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर राजशाही समर्थकों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत शाही परिवार को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र हृदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने जन्मदिन पर लेंगे भगवान श्रीराम का आशीर्वाद

अयोध्या, 4 जून। 5 जून 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम अयोध्या के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होने जा रहा है। इस दिन श्रीराम जन्मभूमि परिसर में राजा राम और परकोटे में विराजमान अन्य देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन होगा, जिसके साक्षी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे। संयोगवश इसी दिन मुख्यमंत्री का? 53 वां जन्मदिन भी है और वह इस अवसर पर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लेंगे। अयोध्या में सरयू नदी के त्रयोदशी जन्मोत्सव की भी धूम है। मुख्यमंत्री के महोत्सव में पहुंचने की संभावना है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा समारोह सुबह 11 बजे से शुरू होगा। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ देव विग्रहों की स्थापना होगी। अयोध्या के संत-महंत इस आयोजन को ऐतिहासिक बता रहे हैं। संत समुदाय का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर निर्माण और अयोध्या के विकास के माध्यम से रामनगरी का खोया हुआ गौरव लौटाया है। पिछले आठ वर्षों में अयोध्या में 32 हजार करोड़ से अधिक विकास परियोजनाओं ने शहर को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है। सड़क, रेल, हवाई अड्डा, सौंदर्यीकरण, और पर्यटन से जुड़ी परियोजनाओं ने अयोध्या को विश्व नक्शे पर चमकदार बनाया है। रामकथा पार्क, सरयू तट का सौंदर्यीकरण, और आधुनिक सुविधाओं से युक्त मंदिर परिसर इसकी बानगी हैं।मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर अयोध्या में उत्साह का माहौल है। संत-महंतों ने योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अयोध्या आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में उभरी है। सरयू त्रयोदशी जन्मोत्सव के अवसर पर नदी तट पर विशेष आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। प्रशासन ने इस भव्य आयोजन के लिए सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह दिन न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बनेगा। अंजनी सेवा संस्थान के अध्यक्ष शशिकांत महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज ने ही प्रभु को टाट से निकाल भव्य मंदिर में विराजमान कराया है। 5 जून को एक बार फिर से राजा राम को प्रतिष्ठित करेंगे। तब वशिष्ठ जी ने राजतिलक किया था और अब योगी महाराज प्रभु राम का तिलक करेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या को विश्व फलक पर ले जाने के लिए

मुख्यमंत्री ने बहुत मेहनत की है। पहले रात के समय नया घाट से लेकर गुप्तारघाट तक जाने में डर लगता था, लेकिन आठ वर्ष में स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। मुख्यमंत्री ने सत्ता में आते ही आरती घाट आदि की व्यवस्था सही कराई। उन्होंने दीपोत्सव के माध्यम से दुनिया को संदेश दे दिया कि राजा राम अब अयोध्या आने वाले हैं। इसके बाद मंदिर निर्माण हुआ और रामलला को विराजमान कराया। महाराज जी के गुरु महाराज भी राम मंदिर से जु? रहे। इसके साथ ही संपूर्ण अयोध्या का बहुमूल्य विकास कराया। महाराज जी राम की पै?ी स्थित सरयू जयंती महोत्सव में पहुंचेंगे और कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि मुख्यमंत्री राजा राम समेत अन्य देवों को प्रतिष्ठित करने आ रहे हैं। यह बहुत ही हर्ष का विषय है। खुशी की बात है कि एक संन्यासी ने प्रदेश के आध्यात्मिक मूल्यों को समझा और ऊर्जावान बना दिया। आज आजीविका के लिए अयोध्या के लोगों को बाहर जाना नहीं प?ता। यही लोग व्यवसाय कर रहे हैं। कोई प्रसाद का तो कोई फूल माला। बाहर से व्यापारी आकर होटल इत्यादि में पैसा लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या का सांस्कृतिक, आर्थिक व आध्यात्मिक विकास किया है। आज गूगल पर अयोध्या सर्च कीजिये तो सबसे पहले दिपोत्सव की छवि बनकर आती है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया की डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में %नित्य महोत्सव, नित्य सुमंगल% जैसा माहौल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसी व्यवस्थाएं कर दी हैं कि व्यापार दिन दूना रात चौगनी तरक्की कर रहा है। मुख्यमंत्री प्राण प्रतिष्ठा के अलावा सरयू जन्मोत्सव और नगर निगम के दो वर्ष के पूरे कार्यकाल के आयोजित कार्यक्रम में भी जाएंगे। हम उनका 53वां जनमदिन धूमधाम से मनाएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ का अयोध्या से संबंध केवल एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक संत, राम भक्त और राम मंदिर आंदोलन के सक्रिय सहयोगी के रूप में है। उनकी नीतियाँ और कार्य अयोध्या को एक वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में केंद्रित हैं। गोरखनाथ मठ और योगी आदित्यनाथ की तीन पीढ़ियाँ राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अयोध्या से गहरा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक संबंध है। उनका यह जुड़ाव व्यक्तिगत आस्था से लेकर पीढ़ियों से चले आ रहे राम मंदिर आंदोलन तक फैला हुआ है।

दिल्ली में भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न

नई दिल्ली। नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन एंड रिसर्च ऑन ओडिशा कल्चर एंड हेरिटेज (आईपीआरओसीएच) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में 12वीं शताब्दी के संत-कवि भक्त कवि जयदेव की विरासत और गीत गोविंद का जश्न मनाया गया। इस समारोह में नृत्य, संगीत, शास्त्रीय ओडिसी बैले, फिल्म और विद्वानों की बातचीत जैसे कार्यक्रमों का एक चयनात्मक मिश्रण था।

गीत गोविंद पर आधारित ओडिसी नृत्य नाटिका

समारोह का भावनात्मक केंद्र बिंदु ओडिसी नृत्य नाटिका मनीनी राधिका था, जिसे गुरु शेरोन लोवेन ने नृत्य निर्देशित और निर्देशित किया था। इस नृत्य नाटिका में विश्वनाथ मंगराज और निशा नंदा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई। यह नृत्य नाटिका गीत गोविंद के मन भंजन अध्याय से अनुकूलित थी और इसमें राधा के कोमल क्रोध और कृष्ण के प्रार्थना को दर्शाया गया था।

संगीत और नृत्य प्रदर्शन

समारोह में दूरदर्शन के वाह उस्ताद शो के विजेता संदीप मोहंती द्वारा गायन और विश्वजीत मोहापात्रा द्वारा एकल बांसुरी प्रदर्शन भी शामिल था। पहले दिन की शुरुआत राजगुरु, कविता द्विवेदी, पूर्वाधनश्री और विद्या लाल ने जयदेव की भक्ति कविता और सूफी रहस्यवाद के बीच साझा अनुनाद का अन्वेषण

जयदेव पर लिखे गए शब्द कीर्तन के साथ हुई, जिसमें भक्त जयदेव के सिख गुरुओं पर प्रभाव और गुरु ग्रंथ साहिब में उनके उल्लेख पर चर्चा की गई। अष्टपदी गीतों को वोकलिस्ट सुरेश सेठी और नाजिया आलम ने प्रस्तुत किया। इसके बाद ओडिसी, कथक और विलासिनी नाट्यम में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शनों की एक शानदार श्रृंखला थी। प्रसिद्ध कलाकारों रीत किया।समारोह का समापन 1987 की क्लासिक ओडिया फिल्म जयदेव के प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें कवि के जीवन और आध्यात्मिक यात्रा को सिनेमाई श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार चुगुली कुमार साहू द्वारा नबागुंजर की 7 फीट की फाइबरग्लास मूर्ति की स्थापना भी की गई, जो कृष्ण के विश्व रूप का प्रतीक है।

बकरीद पर्व पर गाय माता के वध को लेकर चरंजीव मल्होत्रा का सख्त रुख

चरंजीव मल्होत्रा ने कहा- बकरीद पर गाय माता का वध करने वालो को बर्दाश्त नहीं, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली। गौ माता को राष्ट्रमाता की मांग करने वाले प्रख्यात सामाजसेवी और कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने बकरीद त्योहार के मद्देनजर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बकरीद के अवसर पर किसी भी हालत में गाय माता की बलि या वध देने वालो को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी ने धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाते हुए गाय का वध किया, तो उसे किसी भी सूरत बख्शा नहीं जाएगा। मल्होत्रा ने प्रशासन से अपील की कि वह सख्त निगरानी रखे और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि त्योहार की आड़ में कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। गाय हमारी आस्था का प्रतीक है और उसके साथ किसी भी प्रकार की हिंसा अस्वीकार्य है। बकरीद जैसे पवित्र पर्व के नजदीक आते ही देशभर में सुरक्षा और धार्मिक सौहार्द को बनाए रखने को लेकर प्रशासन और राजनीतिक वर्ग सतर्क हो जाता है। इसी कड़ी में वरिष्ठ भाजपा नेता चरंजीव मल्होत्रा ने एक सख्त और स्पष्ट बयान जारी करते हुए कहा है कि

बकरीद के मौके पर अगर किसी ने गाय माता का वध किया तो उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मल्होत्रा ने कहा, हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सभी पर्वों की गरिमा बनाए रखने की पक्षधरता करते हैं। लेकिन गाय हमारी संस्कृति, आस्था और संवेदनशील भावनाओं से जुड़ी हुई है। अगर कोई इस बात को नजरअंदाज कर गाय माता की बलि देता है, तो यह सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावना का अपमान होगा। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि बकरीद के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए, खासकर उन इलाकों में जहां पशु वध पर प्रतिबंध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गौहत्या न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि यह कानूनी रूप से भी अपराध है। मल्होत्रा ने अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया कि समाज किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं कि कोई दूसरों की आस्था को चोट पहुंचाए। उन्होंने कहा, भारत एक बहुधार्मिक देश है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी भी धर्म को यह आज़ादी दी जाए कि वह दूसरों की आस्था के प्रतीकों को नुकसान पहुंचाए। उन्होंने पुलिस और स्थानीय प्रशासन से आग्रह किया कि बकरीद से पहले और त्योहार के दौरान विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही, संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, विशेष दस्तों की तैनाती और सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक संदेशों पर भी कड़ी नजर रखी जाए। हालांकि कुछ असामाजिक तत्व इसके नाम पर अवैध रूप से गायों की भी बलि देने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर समाज में तनाव पैदा होता है। मल्होत्रा ने अंत में कहा कि हमें आपसी भाईचारे को बनाए रखते हुए इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ मिलकर खड़ा होना होगा। कानून तोड़ने वालों को सजा दिलाना हम सब लोगों की जिम्मेदारी है।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 4 हजार के करीब, 24 घंटे में 6 मौतें, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस चिंता बढ़ा रहा है। बीते कुछ दिनों में संक्रमण के मामलों में तेज़ उछाल देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 3976 हो चुकी है। महज 10 दिनों में संक्रमितों की संख्या में 15 गुना इजाफा हुआ है, जो एक गंभीर संकेत है। केरल इस वक्त सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां 1435 एक्टिव केस दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र में भी हालात चिंताजनक हैं, जहां 506 मरीज अभी इलाजरत हैं। इसके अलावा कर्नाटक में भी मामले तेजी से सामने आ रहे हैं, यहां 238 एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटों में 6 लोगों की मौत कोरोना से हो चुकी है, जिससे इस लहर में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 34 हो गई है। अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती युवती और 47 वर्षीय महिला की मौत हो गई। रविवार को दिल्ली में 22 साल की युवती और तमिलनाडु में 25 साल का युवक इस वायरस का शिकार हो गया था। कोरोना के दोबारा फैलाव को देखते हुए राज्य सरकारें भी हरकत में आ गई हैं। कर्नाटक सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनें, सामाजिक दूरी बनाए रखें और स्वच्छता का पालन करें। बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी राज्यों की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि कोविड के पिछले दौर के दौरान तैयार किए गए ऑक्सीजन प्लांट, द्रुष्ट बेड, और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की पुनः समीक्षा की जा चुकी है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बीते कुछ दिनें से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 34 लोगों की जान जा चुकी है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चिंता जताई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करके कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए गहरी चिंता है। उन्होंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों में हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJA BETA S/O RAM DEV TIWARI R/O GRAM ATARJI POST PALI, HARDOI PALI DEHAT PANSALA, HARDOI, UTTAR PRADESH-241123 have changed my name and shall hereafter be known as ARJUN TIWARI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Nauratna Singh S/O Harpal Singh, R/O 23, Farida Bager, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 202398 declare that name of my father has been wrongly written as Harpal in my driving Licence no UP1320230014754.The actual name of my father is Harpal Singh,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Rekha W/O Satya Narain R/O House No-309 gali no-24 , Onkar Nagar B, Tri Nagar , Delhi -110035. Have changed my name to Rekha Sharma For all Future purposes

NAME CHANGE
I, Tripta Rani Kumar w/o Vijay Kumar R/O 134, Engineers Enclave, Pitampura, Delhi-110034, have change my name to Tripta Kumar permanently

NAME CHANGE
I, Harpreet Singh s/o Inder pal Singh r/o 28/62, West Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi-110008 have changed my name to HARPREET SINGH ARORA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NANCY KHANDELWAL D/0 VIJAY KHANDELWAL, R/o C-178/1 A, Gali No. 7, Bhajanpura, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as NANCY, VIJAY KUMAR and MANISHA in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are NANCY KHANDELWAL, VIJAY KHANDELWAL and MANISHA KHANDELWAL respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Mrs. Ambika Sharma and Mr. Rahul Sharma and Mr. Sidharth Sharma Owner of the Residential Flat bearing no. C-830, on 8th Floor, Tower-08, area measuring 1180 sq. ft., situated in the residential Group Housing Complex at "RIVER HEIGHTS", Noor Nagar, Raj Nagar Extension, Paragana Loni, Ghaziabad, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. , Mrs. Ambika Sharma and Mr. Rahul Sharma and Mr. Sidharth Sharma have lost Original Allotment letter issued by M/s. Carol Infrastructure Pvt. Ltd. in favour of Mr. Baldev Raj Garg and Smt. Shyama Garg, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Allotment letter aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AKIL S/O ABDUL R/O HOUSE NO-B-87 GALI NO-15 MAAN SINGH NAGAR OLD MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO CHOUDHARY AAKIL

NAME CHANGE
I hitherto known as Bably Bahukhandi alias Deveshwari W/O Sushil Chandra Bahukhandi, R/O FLAT NO 7,POCKET-9., NAS IR PUR, South West Delhi , Delhi-110045, have changed my name and shall hereafter be known as DEVESHWARI.

NAME CHANGE
I POONAM ARYA W/O SWATANTER BHARTI R/O F-126, Sector-10, DLF, Faridabad, Haryana 121006 HAVE CHANGED MY TO POONAM SACHDEVA

NAME CHANGE
I MEHARUNISHA W/O ALIMUDDIN R/O H NO-F-459 GALI NO-19 KHAJOORI KHAS KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MEHROON NISHA

NAME CHANGE
I hitherto known as DULI DEVI W/O SAPAN PAL R/O H NO-176, BLOCK-B, NAVJIWAN CAMP, GOVINDPURI, KALKAJI, DELHI-110019 have changed my name and shall hereafter be known as LAXMI.

NAME CHANGE
I, JC-472130M Rank-SUB Name-JAI BHAGWAN SINGH Presently residing at HOUSE NO-786, PO+DIST-ROHTAK, HARYANA-124001, have changed my father's name from CHOTTU RAM to CHHOTU RAM for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14667413K Rank-HAV Name-JADHAV RAMESH BHARAT Father of ADRASH RAMESH JADHAV R/o VPO-KHANDALA, TEH-TULJAPUR, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413601, have changed my minor son's name from ADRASH RAMESH JADHAV to ADARSH RAMESH JADHAV for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Poonam Gupta D/o Krishna Mohan Gupta, R/o 17/6 Semal Road Shipra Suncity, Near North India Mall, Indirapuram Ghaziabad -201014 Declare that name of mine has been wrongly written as Poonam Mishra in my Pancard No AQLPM6466M, The actual name of mine is POONAM GUPTA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Puran Chand Arora S/O Dolat Ram R/O House no 1 Block no 5 Gali no 4 Geeta Colony Gandhi Nagar East Delhi 110031 Have changed my name to Puran Lal for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Satya Narain Bhardwaj S/O Duli Chand R/O House No-309 gali no-24 , Onkar Nagar B, Tri Nagar , Delhi -110035. Have changed my name to Satya Narain For all Future purposes

NAME CHANGE
I, JASPAL SINGH PASRICHA S/O MOHINDER SINGH PASRICHA R/O H NO- KP-72, MAURYA ENCLAVE, PITAM PURA, DELHI-110034 have changed my name to JASPAL SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Vijay Kumar S/O Ram Pratap R/O House No.3048. 5 /A ,Gali No 5/A Hanuman Chowk,Ranjeet Nagar, Central Delhi, Delhi, -110008, declare that name of mine has been wrongly written as Vijay Hussain in my Aadhar card no 5678 8432 4414, The actual name of mine is Vijay Kumar

NAME CHANGE
I, SHAIKH SHARMIN MAJID Wife of No-14859046X Rank-NK Name-SHEIKH MAJID AFSAR residing at VILL-HADOLI, POST-MADANSURI, TEHSIL-NILANGA, DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413521, have changed my name from SHAIKH SHARMIN MAJID to SHEIKH SHARMIN MAJID for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14859046X Rank-NK Name-SHEIKH MAJID AFSAR Father of SHAIKH ARSHAAN MAJID residing at VILL-HADOLI, POST-MADANSURI, TEHSIL-NILANGA, DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413521, have changed my minor son's name from SHAIKH ARSHAAN MAJID to SHEIKH ARSHAAN MAJID for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-3203628A Rank-HAV Name-KARAMVIR SINGH Father of KUMARI PARI residing at VILL-DETA SAIDPUR, PO-PISAWA, TEH-GABHANA, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202155, have changed my minor daughter's name from KUMARI PARI to PARI for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BHOOSHAN SINGH S/O BEER SINGH R/O H.NO. 123, Sector Nagala Pithora, Nagala Pithora, P.O. Nagala Pithora Dist: Muzaffarnagar Uttar Pradesh-251301 have changed the name of my minor son ABHINAV SINGH Aged 12 years and he shall hereafter be known as AADIYOGI SINGH.

NAME CHANGE
I, Mohammad Akhtar S/o Gullu Khan R/o Village Bainsi, Sudaka (145), Mewat, Haryana-122107 have changed my name to Akhtar

NAME CHANGE
I SADIA ALAM KHAN W/O SHAN ALAM KHAN R/O D-13/8A OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO SADIA KHAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I SHAAN ALAM KHAN S/O ASHFAQ ALAM KHAN R/O D-13/8A OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAN ALAM KHAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, JC-473421Y Rank-N/B SUB Name-SURENDRA DHAKA Presently residing at VPO-DHIKOLI, TEH + DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250605, have changed my mother's name from BHOOL MATI DEVI to PHOOLMATI for all future purposes vide Affidavit dated 30/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as G. D. MEHRA alias GOPAL DASS S/O MILKHI RAM R/O FLAT NO-11, DDA SFS FLATS, POCKET-1, SECTOR-1, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075 have changed my name and shall hereafter be known as GOPAL DASS.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SAVITA W/O NANAK Permanent Resident LALPUR RAIYATPUR, ALIGARH, GHARBARA, UTTAR PRADESH-202165, Presently Residing at W-111/5,GROUND FLOOR, KH NO-91,92, LANE NO-6, ANUPAM GARDEN, SAIDULAJAB NEAR DELHI-110068 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA.

NAME CHANGE
I RAJU S/O RAM DUTTA SEDAI R/O C-187/19 MAYAPURI PHASE-2 DELHI-110064 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJU BAHADUR

NAME CHANGE
I, VS SOUNDARYA Daughter of No-2605678F, Rank-HAV/CC Name-G VENKATESAN residing at H NO-4/168, VILL- PERIYA MOTTUR, PO-KANAKAMUTLU, TEHSIL- KRISHNAGIRI, DISTT- KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635002, have changed my name from VS SOUNDARYA to SOUNDARYA VS for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUMAN W/O ROHAN BHOLOWALIA R/O 74/FF, DDA PLOT, SHIVAJI ENCLAVE, TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027 have changed my name and shall hereafter be known as SUMAN BHOLOWALIA.

NAME CHANGE
I, LEHANA S/O SATPAL R/O Near Jaat Chopal, Sarera(73), Sarhera, Hisar Haryana - 125121 have changed the name of my minor daughter TANNU aged 08 years and she shall hereafter be known as RITIKA

NAME CHANGE
I, SACHIN GUPTA S/o SHYAM MOHAN GUPTA R/o 3/89, Sector -2, Rajender Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005 have changed the name of my minor Daughter MISHTI GUPTA aged 9 years and she shall hereafter be known as ANAYA GUPTA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MD ATEEK S/o MOHAMMAD WAKI residing at House No. 3239, Gali No. 4, Raghubar Pura No. 2, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi - 110031 declare that name of my Father has been wrongly written as MD BAKI in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is MOHAMMAD WAKI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Harmeet Singh S/o Mr. Mahender Singh is the owner of Freehold Residential Plot Bearing No. RZ-5/113-B, Front Side, area measuring 70 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 457 situated at Tughlakabad Extn., New Delhi-110019. by virtue of Sale Deed Dated 07.06.2023 as Doc. No. 3269, in Book No. 1, Vol. No. 17022, on Pages 134-142, on Dated 07.06.2023, SR- V, New Delhi., in the Chain Documents Below mentioned Document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Dev Raj Sharma S/o Mr. Labhu Ram Sharma, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and the Second Floor Without Roof Rights which is to be sold to Mrs. Razia and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Kalkaji, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, D SATYA Wife of No-2605678F Rank-HAV/CC Name-G VENKATESAN residing at H NO-4/168, VILL-PERIYA MOTTUR, PO- KANAKAMUTLU, TEHSIL- KRISHNAGIRI, DISTT- KRISHNAGIRI, TAMIL NADU- 635002, have changed my name from D SATYA to SATYA D for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEV MORWAL S/o PRADEEP KUMAR R/o 2287, Sarai Baraf Khana, Kodiya Pul, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006, declare that name of my mother has been wrongly written as ANJU in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is ANJU KAYAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VIKAS SHARMA S/O UMESH SHARMA R/O C1-473, SECTOR-3, C1-BLOCK, PALAM VIHAR,GURGAON,HARYANA-122017,HAVE CHANGED MY NAME TO VIKAS KUMAR SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NO-6494074K Rank-HAV Name-SHYAM BAHADUR SINGH S/O RAM BACHAN SINGH residing at 972 TPT COMPANY, DELHI CANTT-10, permanently residing at BLOCK-BELGHAT, VPO-PIPERSANDI, TEHSIL-KHAJANI, DISTT-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273404, have changed my son's name from AMAN SINGH to AMAN SHYAM BAHADUR SINGH for all future purposes. Vide affidavit dated 04.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Sahil S/O Shamsher R/O Village Gharora Alipur (106) Po Tigaon dist Faridabad Haryana 121101do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced ISLAM RELIGION with effect from 2O/05/2025.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Ms. Sunita Devi has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi GOVINDPURI Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Babu Lal Through His Attorney Sh. Suresh Kumar have agreed to sell their property "Freehold Residential House bearing No. 31 (Property ID No. 1CGVPK9), having its area measuring 75 Sq. Yds., falling under Khasra No. 550/1/73/21, Situated in the area of Village Basai, Colony Ambedkar Nagar, Gali No. 5, Sub- Tehsil Kadipur, Tehsil and Distt. Gurugram, Haryana" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/whosoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person (s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 04-06-2025 Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
My clients Prem Pal Singh & his wife Sushila Devi W/O Sh. Prem Pal Singh Mathur both R/O L-952A, Gali No.22, Shiv Shakti Mandir, Sangam Vihar, Meharuli, South Delhi, Delhi-110062, have severed all relations and disowned their sons namely Lokesh Mathur & Mohit Singh from their all movable-immovable properties due to their misconduct. My clients shall not be responsible for their acts/ deeds in future.

Vinod Kumar Advocate
Chamber No.559
Lawyers Block, Saket Court,
New Delhi-17

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती साधना W/O सुखवासी निवासी G- 77 सीता पुरी पार्ट 2 नियर बिन्नी निन्नि टेंट हाउस नई दिल्ली 110045 ने अपने पुत्र विकास और उसकी पत्नी निशा से अपने सारे संबंध तोड़ लिए हैं और अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है ! क्योंकि वह झगड़ालू प्रवृत्ति के है और गलत संगत में पड़ने के कारण मेरे मुवक्किल के कहे सुने से बाहर है भविष्य में यदि कोई इन लोंगो से किसी तरह का व्यवहार या लेनदेन करता है, तथा किसी भी प्रकार की ?नूनी कार्यवाही के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे व मेरे मुवक्किल वा उसके परिवार वालों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी !

(YASMIN SAIFI) ADVOCATE
Office RZD-31Dwarika Puri
New Delhi-110045

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. General Power Of Attorney, Agreement To Sell And Purchase, Will executed by Smt. Chanda Viri in favour of Smt. Rakesh Devi pertaining to Plot of Land Area Measuring 70 Sq. Yds., Out of Khasra No. 332, Property Bearing No. 33, Situated at Village Ghonda Gujran Khandar, in the abadi of Gali No.6, Garhi Mendu, Illaqa Shahdara, Delhi-110053. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Smt. Mona who has agreed to Sell the 'said property' to Smt. Anupam Rana and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She/ he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated : 04-06-2025 Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धर्मेंद्र अग्रवाल, पुत्रः स्वर्गीय शिव कुमार, निवासीः 354/9, मुख्य गौशाला रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 402/2023, dated: 26.07.2023, U/s 420/406 IPC, पुलिस थाना लक्ष्मी नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **धर्मेंद्र अग्रवाल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है की **धर्मेंद्र अग्रवाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना लक्ष्मी नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **धर्मेंद्र अग्रवाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीक्षा राव
एल.डी. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
पूर्वी जिला, कमरा नं. 32
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/7079/ED/2025

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री शिव कुमार ग्राम लतीफपुर दत्तनगर, तहसील एवं जिला बागपत स्थित, खसरा संख्या 260 के अंतर्गत आने वाली 562 वर्ग मीटर भूमि के स्वामी हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, इस संपत्ति के प्रारंभिक मालिक श्री भरम सिंह, श्री रणवीर सिंह, देव प्रिया, देव व्रत, देव मित्र, वैद मित्र एवं अन्य व्यक्ति थे। श्री भरम सिंह (स्वयं एवं देव प्रिया के प्राकृतिक अभिभावक के रूप में) तथा श्री रणवीर सिंह (स्वयं एवं देव मित्र व वैद मित्र के प्राकृतिक अभिभावक के रूप में) ने उक्त सम्पूर्ण भूमि को विक्रय विलेख दिनांक 22.07.1997 के माध्यम से श्री राजकुमार, श्री शिव कुमार एवं श्री विनय कुमार को विक्रय किया। उक्त संपत्ति को बाद में मौखिक रूप से आपसी सहमति से बराबर-बराबर भागों में विभाजित किया गया। तत्पश्चात, श्री विनय कुमार ने दिनांक 22.03.2025 को उपहार विलेख के माध्यम से अपना हिस्सा श्री शिव कुमार को उपहारस्वरूप प्रदान कर दिया। इस प्रकार, श्री शिव कुमार अब उक्त सम्पत्ति के पूर्ण और एकमात्र स्वामी हैं, जो कि किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, ऋण, भार, दावा अथवा अन्य किसी बाधा से मुक्त है। यह संपत्ति आरबीएल बैंक, ओखला शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जा रही है यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, RIMA PAUL Wife of No-15819731W Rank-L/NK Name-SUMAN PAUL R/o DHANKAL DEFENCE COLONY, NAGDAHA, PO-KAMPA, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743193, have changed my name from RIMA PAUL to RIMA PAUL MAJUMDER for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Varinder Singh s/o Ram Singh R/O WZ-163A, U/gf, Gali No.5, Virender Nagar, Janak Puri, B-1, Delhi-110058, have change my name to Virender Singh Anand permanently

NAME CHANGE
I, SIDDAVVA Mother of No. 16127043W Rank-NK Name-MAYAPPA TIGADI Presently residing at VILL-UPPARAHATTI, PO-MALADINNI, TEH-GOKAK, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591233, have changed my name from SIDDAVVA to SIDDAVVA DHOOLAPPA TIGADI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/02/1963 instead of my correct date of birth as 24/06/1951 vide Affidavit dated 04/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Errol Gonsalves S/O Dominic Gonsalves R/O Villa 71 1st Floor Block1 Eros Garden, Charmwood village Surajkund, Faridabad, Haryana 121009 have changed my name to Errol Norman Gonsalves for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Vijaykumar Janardhan Singh s/o Janardhan Singh R/O F-1101, Ansal Height, Sector-86, Nawada, Fatehpur (112), Gurgaon, Haryana-12204 have change my name to Vijay Kumar Singh permanently

NAME CHANGE
I, Gautamkumar Vijaykumar Singh s/o Vijay Kumar Singh R/O F-1101, Ansal Height, Sector-86, Nawada, Fatehpur (112), Gurgaon, Haryana-12204 have change my name to Gautam Kumar permanently

NAME CHANGE
I, Sandhya Gautamkumar Singh w/o Gautam Kumar R/O F-1101, Ansal Height, Sector-86, Nawada, Fatehpur (112), Gurgaon, Haryana-12204 have change my name to Sandhya Singh permanently

गुरुग्राम में खेल मंत्री की बोलिंग पर सीएम सैनी ने मारे शॉट

गुरुग्राम। यहां राजीव चौक के पास युवाओं को क्रिकेट खेलते देख सीएम खुद को रोक नहीं पाए और उनके बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला लेकर एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह बल्ला हाथ में लेकर बोलिंग का इंतजार किया। सीएम के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम ने बोलिंग की। दरअसल सीएम गुरुग्राम में एक देश एक चुनाव थीम के साथ आयोजित की जा रही तीन किलोमीटर रन को हरी झंडी दिखाकर

रवाना करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम लेजर वैली पार्किंग में सुबह छह बजे आयोजित किया गया। यहां से सीएम निकले तो राजीव चौक पर उन्हें युवा क्रिकेट खेलते नजर आए। उन्होंने अपना काफिला उधर मुड़वाया और युवाओं के बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला हाथ में थामा और विकेट पर बैटिंग के लिए तैनात हो गए। खेल मंत्री गौरव गौतम ने उनके लिए बोलिंग की, जिस पर सीएम ने शॉट लगाए। युवाओं के साथ युवा बनकर सीएम ने काफी देर तक क्रिकेट खेला। इसके बाद सभी का हाल चाल जानकर वे वहां से चले गए।

नगर निगम ने हमारा प्यार हिसार संस्था के साथ चलाया सफाई अभियान

हिसार। नगर निगम एवं हमारा प्यार हिसार की ओर से डाबड़ा रोड से साउथ बाइपास से लेकर सेक्टर 9-11 मोड तक संयुक्त महा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद डॉ. सुमन यादव, सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई राहुल, दरोगा सुधीर सहित सफाई कर्मचारी व हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सफाई महा अभियान की शुरूआत तोशाम रोड साउथ बाईपास से की गई। इस दौरान सड़क के दोनों ओर मिट्टी को उठाया गया। इसके साथ डिवाइडर लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया गया। इसके साथ ही ट्री ट्रिमिंग मशीन से वृक्षों की ट्रिमिंग की गई। जेसीबी की सहायता से मिट्टी को समतल किया गया। सफाई की मशीनों से रोड की सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़क व उसके साथ की सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हमारा प्यार हिसार के संस्था के सदस्यों ने भी इस सफाई महा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने श्रमदान किया। संयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि मेयर प्रवीण पोपली और निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलाए जाते है।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक व पर्यावरण संरक्षण में सहायक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिरी सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शिरकत की। साइकिल रैली में विभिन्न महाविद्यालयों एवं साई के विधार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. कम्बोज एवं नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी सहायक है। यह एक सरल, सुलभ, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन है। हमें प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन में राहत मिलती है। इससे मोटापा घटता है और वजन नियंत्रित रहता है। साइकिल चलाने से पैरों की ताकत और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है ।

निवास प्रमाण पत्र के लिए नहीं होगी तिथि की बाध्यता

चंडीगढ़। हरियाणा में सीईटी पंजीकरण के दौरान अभ्यर्थियों को आ रही दिक्कतों के मद्देनजर कर्मचारी चयन आयोग ने निवास प्रमाण पत्र के लिए तिथि की बाध्यता को खत्म कर दिया है। हरियाणा में इन दिनों युवा सीईटी के लिए आवेदन कर रहा है। अब तक लाखों की संख्या में युवा आवेदन कर चुके हैं। कुछ अभ्यर्थियों को सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान सर्टिफिकेट को लेकर कुछ प्रश्न सामने आए थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि निवास प्रमाण पत्र के लिए किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं। यह सर्टिफिकेट मान्य होंगे। उन्होंने कहा कि डीएससी व ओएससी सर्टिफिकेट के लिए भी किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं, जो कि मान्य होंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन है राष्ट्रहित का विचार : नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार के प्रचार प्रसार में युवाओं से सहभागी बनने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन-भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में एक राष्ट्र-एक चुनाव थीम पर आयोजित गुरुग्राम रन को रवाना करने से पूर्व अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत कई विधायक व नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है।

जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। वन नेशन-वन इलेक्शन प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। गुरुग्राम रन में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गांव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम सिर्फ एक आधुनिक शहर नहीं है।

मेहनत व लग्न से खिलाड़ी को मिलेंगी ऊंचाइयां: राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। लिटिल एंजल्स स्कूल के बैडमिंटन हॉल में 43वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर निगम मेयर और मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से खिलाड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। खेलों को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा न केवल स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि खेलों में अनुशासन और समर्पण से उज्ज्वल भविष्य भी बना सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर-11, 13, 15, 17, 19 और वेटरन्स (30 से 65 वर्ष) वर्ग के मुकाबले 6 जून तक आयोजित होंगे। कार्यक्रम में एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा राजीव जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही है। खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि और मानदेय बढ़ने से उनका मनोबल भी ऊंचा हुआ है। स्कूल की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महासचिव जगबीर छिक्कारा, विवेक आर्य, नवीन कुमार, प्रियव्रत, के.के. सांगवान, हरदीप सरोहा, अजय राठी, सुरजीत दहिया, शशि कांत कौशिक, सुशील पराशर सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक मॉनसून में लगाए दो पौधे : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम जिले के हयातपुर गांव में स्वच्छ हरियाणा और प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम थीम के तहत 1100 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। उपस्थित नागरिकों को पॉलिथीन मुक्त हरियाणा का संकल्प दिलाया गया। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। आगामी मॉनसून में हर व्यक्ति दो पौधे अवश्य लगाए। एक अपने लिए और दूसरा अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए। यह न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की नींव रखेगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य मात्र पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित करना भी है। इसलिए पौधारोपण करते समय नागरिक ऐसे स्थलों का

चयन करें जहाँ वे आगामी पाँच वर्षों तक पौधों की देखभाल सुनिश्चित कर सकें। राव ने कहा कि हरित क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक को बेहतर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिकतम हरित क्षेत्र का सृजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हवा, पानी और भोजन ये तीनों मानव जीवन के आधार स्तंभ हैं। यदि इनमें से कोई भी तत्व दूषित होता है, तो उसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

योग हमारे पूर्वजों की देन : एसपी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन पद्धति है जो हमारे पूर्वजों की देन है। यह न केवल मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। एसपी पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव को लेकर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सात सौ पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। सिरसा आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र नागर के मार्गदर्शन में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं करवाई गई। एसपी ने कहा कि योग करने से मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि सुबह- योग करने से व्यक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष में पूरे हरियाणा में योग दिवस मनाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग जीवन जीने का एक तरीका है जो पूरी दुनिया में भारत की देन है। भारत एक ऐसा देश है जिसने पूरे विश्व को योग

करना सिखाया है इसीलिए भारत को विश्व गुरु के नाम से भी जाना जाता है। एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में योग अभ्यास में निपुण मास्टर ट्रेनर लगाए जाएंगे और योग अभ्यास को पुलिसकर्मियों की दिनचर्या में शामिल किया जाएगा। इससे पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने में मदद मिलेगी और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपनी ड्यूटी व कर्तव्य पालन का बेहतर निर्वहन कर सकें। एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए योग विशेष रुप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें तनाव और थकान से मुक्त मिलती, इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित योग अभ्यास कर अपने आप को स्वस्थ रखें। इस अवसर पर योगाचार्य ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मानेसर नगर निगम से सात पार्षद भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम की पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए मानेसर नगर निगम से कई पार्षद भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की मौजूदगी में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होने वाले पार्षद वार्ड-12 गांव मानेसर से प्रवीन कुमार, वार्ड-11 गांव मानेसर से मनोज कुमार, वार्ड-16 गांव नौरंगपुर से दयाराम, वार्ड-7 गांव बास कुसला से कंवर पाल, वार्ड-14 गांव नाहरपुर से संगीता, वार्ड-8 गांव कासन से भूपेंद्र चौहान और वार्ड-15 गांव नखड़ौला से पिंकी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सभी पार्षदों को पटके पहनाकर पार्टी में शामिल करते हुए सम्मानित किया। साथ ही विश्वास दिलाया कि संगठन में उन्हें उचित मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का परिवार आज शामिल हुए पार्षदों के साथ बढ़ गया है। हम सब मिलकर क्षेत्र के बेहतरी के लिए काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मानेसर नगर निगम से सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास के काम किए जाएंगे। भाजपा पटौदी जिला अध्यक्ष गुरुग्राम ग्रामीण अजीत ड्क्षसह ने कहा कि सभी पार्षदों का संगठन में ह्दय की गहराइयों से स्वागत है। भाजपा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और भविष्य में जनसेवा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। सभी पार्षदों का स्वागत करते हुए मानेसर नगर निगम से भाजपा के मेयर प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक दल से अधिक परिवार है। परिवार में हर सदस्य को गरिमापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। संगठन में मेहनती कार्यकर्ताओं को सदा बड़ा सम्मान संगठन ने दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश का समान विकास कर रही है।

कपास में गुलाबी सुंडी की निगरानी हेतु फैरामोन ट्रैप लगाने की सिफारिश

एजेंसी

जींद। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न गांवों में जाकर कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिडारा के प्रभारी डा. रामकरण गौड ने बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी का नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को अपने खेत में फैरामोन ट्रैप, दो ट्रैप प्रति एकड़ के हिसाब से लगाने चाहिए और उनमें तीन दिन और रात को गुलाबी सुंडी का वयस्क चैक करना चाहिए कि कितने प्रोड प्रति रात उसके अंदर ट्रैप हुए हैं। अगर प्रति रात छह से आठ प्रौड ट्रैप होते हैं तो हमारे को सुंडी के नियंत्रण के लिए कदम उठाना पड़ेगा। इसके लिए हम बिजाई से 0 से 60 दिन तक नीम बेस्ड प्रोडक्ट जैसे की नीमबीसीडीन या नीम सीडकर्नल एक्सट्रैक्ट का स्प्रे करना चाहिए। किसानों को विकसित टेक्नोलॉजी के साथ चलना पड़ेगा। आजकल हर किसान भाई के पास मोबाइल फोन होता है वह उसमें अपने फसल की फोटो उतार कर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के व्हाट्सएप पर भी भेज सकते हैं और अपनी समस्या के बारे में पूछ सकते हैं। गांव झील, बडनपुर व सुंदरपुरा में डा. सुरेंद्र मित्तल ने कृषि विज्ञान केंद्रों व वहां पर प्रदान की जाने वाली जानकारियों के बारे में बताया। डा. राजेश ने मौसम से जुडी जानकारी प्रदान की। पशु चिकित्सक डा. नवीन ने पशुओं के रखरखाव की जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञ डा. केशव ने फसल चक्र की महत्ता पर प्रकाश डाला।

पेशेवर नशा तस्करों को अब एक साल तक रहना होगा जेल में : शशांक सावन

पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस के तहत की कार्रवाई, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। पुलिस अब नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी ताकि कोई भी नशा तस्कर एक साल से पहले जेल से बाहर न आ सके।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि हिसार पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो महिलाओं अंबेडकर बस्ती निवासी बिमला और शांति नगर निवासी बबली पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों पर हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन और तीन से अधिक केस दर्ज है। इनमें पुलिस द्वारा आरोपियों से वाणिज्यिक मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई है। पुलिस पेशेवर नशा तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस

नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई। ये मामले अभी न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिसार पुलिस ने पिछले पांच महीनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 47 केस दर्ज करके 86 आरोपियों को गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। इनमें सात मामलों में वाणिज्यिक मात्रा में (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस इलिसिट ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट, 1988) के तहत कार्रवाई करेगी, जो हाल के दिनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में रहे है पुलिस द्वारा उन नशा तस्करों की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज व भगवान परशुराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग:अरविंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, पहरावर धाम में स्थापित होगी भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गांव पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज सहित गौड़ संस्था के प्रशासनिक भवन, भगवान परशुराम पब्लिक स्कूल, भगवान परशुराम कालेज ऑफ नर्सिंग फार गर्ल्स का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। कैबिनेट मंत्री सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की भव्य व सबसे बड़ी प्रतिमा समाज के सहयोग से रोहतक के पहरावर धाम में स्थापित की जाएगी। इसके लिए नामचीन आर्किटेक्ट्स व कारीगरों से विशेष कार्य योजना तैयार करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 साल बाद गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा कैम्पस में जो शुरुआत हुई हैं, उससे प्रदेश के

युवाओं को बड़े अवसर व अपार संभावनाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस में भगवान परशुराम जन्मोत्सव अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथों गौड़ संस्था कैम्पस में शुभ शुरुआत हुई है, जिसको लेकर विप्र समाज व सर्व समाज में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जहां मैचिंग ग्रांट की घोषणा के साथ पहरावर कैम्पस में शैक्षणिक परिसरों के विकास को गति देने का काम किया है, वहीं गांव पहरावर में विभिन्न विकास कार्यों की मांगों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति देते हुए उनकी फिजिबलिटी की जांच करवाते हुए पूरा करवाने का भरोसा दिया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के चुनाव से पहले संस्था के सदस्यता अभियान को खुलवाया जाएगा, इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी चर्चा करके अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव पहरावर द्वारा दान में दी गई जमीन पर कांग्रेस के समय में आई अड़चन को पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा दूर किया गया।

श्याम जागरण से लौट रहे छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

हिसार। हांसी में पीसीएसडी स्कूल प्रांगण में चल रहे श्याम महोत्सव के दौरान श्याम मंदिर रोड़ पर करीब आधा दर्जन बदमाशों ने बाइक सवार एक युवक को घेरकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों द्वारा चाकूओं से हमला करने के बाद युवक ने मंदिर के अंदर भाग कर जान बचाने का प्रयास किया लेकिन बदमाशों ने उसका पीछा कर मंदिर के अंदर भी उस पर चाकू से हमला कर दिया और उसके बाद घायल युवक को मौके पर छोड़ वहां से फरार हो गए। खून से लथपथ युवकों को जागरण में श्याम भक्तो ने उपचार हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हिसार रेफर कर दिया। परिजनों द्वारा उसे हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान सुबह उसकी मौत हो। मृतक की पहचान हांसी की दयाल सिंह कालोनी निवासी 20 वर्षीय सुरेंद्र के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हिसार के नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

आंदोलन में मारे गए साथियों को किसानों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

जींद। गांव गुलकनी में किसान आंदोलन के दौरान साल 2002 में जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय किसान यूनियन द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भाकियू के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत के अलावा राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह के अलावा प्रदेश भर से किसान पहुंचे। सबसे पहले सुबह आठ बजे हवन किया गया। किसान नेताओं ने संबोधन से पहले किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद किसान नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि बिजली के बिलों को लेकर प्रदेश भर में साल 1992 से बिजली आंदोलन चला आ रहा है। साल 2002 में गांव गुलकनी के पास भाकियू के कार्यक्रम के धरने के दौरान जिला प्रशासन ने गोली चलवा दी। पुलिस की गोली लगने से 9 किसानों की जान चली गई

थी। जान गंवाने वाले किसानों में राजपुरा भैण गांव के पांच किसान हवा सिंह, दिलबाग, राजेश, महासिंह, ओमप्रकाश, गांव गुलकनी निवासी चार किसान बिजेंद्र शर्मा, राम गोपाल, राजबीर, नरेश शामिल हैं। बाद में इन जान गंवाने वाले किसानों के स्टेच्यू यूनियन द्वारा गुलकनी में बनवाए गए। तभी से हर साल गुलकनी गांव में भाकियू द्वारा किसान शहीदी दिवस मनाया जाता है। नौगामा खाप व भाकियू ने इन किसानों की याद में गुलकनी गांव में स्मारक का निर्माण करवाया हुआ है। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से किसान पहुंचे और किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों को याद किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला, प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, जिला अध्यक्ष बारू राम, ने कहा कि भाकियू द्वारा जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा और इसे गांव-गांव के स्तर पर ले जाया जाएगा।

जीडीपी में ग्रोथ से कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण में 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई।

जीडीपी में तेज वृद्धि के कारण देश में मई में कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण में 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में सालाना आधार पर कंपनियों के पंजीकरण में 29 और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप में 37 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कारपोरेट कार्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, ओवरसीज इकाइयों सहित मई में 20,720 कंपनियों का पंजीकरण हुआ था, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 16,081 पर था। मई को मिलने पर यह लगातार पांचवां महीना था, जब कंपनियों के पंजीकरण में वृद्धि हुई है। बीते महीने 7,487 एलएलपी का पंजीकरण हुआ है, पिछले साल इसकी संख्या 5,464 थी। भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत पर थी। देश के निर्यात में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 25 में सर्विसेज निर्यात सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़कर 387.5 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच वस्तुओं का निर्यात 437 अरब डॉलर पर करीब सपाट रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के मुताबिक, 2025 में भारत की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।आईएमएफके अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.93 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस विदेशी अमेरिकी मुद्रा में मामूली सुधार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के दौरान ही रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर 85.49 प्रति डॉलर पर आ गया था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणाओं से पहले अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने भी घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा कमजोर रुख के साथ खुली और सीमित दायरे में रही। रुपया शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.49 पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.39 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 98.86 पर रहा।

भारत की ग्रीन इकोनॉमी 2070 तक 15 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

2028 तक 7.29 मिलियन और 2047 तक 35 मिलियन नौकरियां पैदा होंगी

मुंबई।

भारत की ग्रीन इकोनॉमी तेजी से बढ़ते हुए 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2070 तक 15 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। इस तेज वृद्धि के साथ भारत बड़ी संख्या में ग्रीन जॉब्स सृजित करने के लिए भी तैयार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027-28 तक करीब 7.29 मिलियन और वर्ष 2047 तक 35 मिलियन नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। एनएलबी सर्विसेज के सीईओ ने कहा कि पिछले 4-5 सालों में देखा गया है कि ग्रीन जॉब्स विशिष्ट भूमिकाओं से बढ़कर रिन्यूएबल एनर्जी, ईवी और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी मुख्यधारा में आ गई हैं। उन्होंने कहा कि आज के ग्रीन वर्कफोर्स को सस्टेनेबिलिटी संबंधी जानकारी और डिजिटल फ्लूएंसी दोनों की जरूरत है। इसके साथ एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, जीआईएस और डेटा-ड्रिवन टूल का बढ़ता इंटीग्रेशन प्रतिशील, नए युग के ग्रीन करियर की नींव रख रहा है। जैसे-जैसे हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, उद्योग न केवल ग्रीन टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश कर रहे हैं, बल्कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्किल्ड वर्कफोर्स बनाने पर भी ध्यान दे रहा है। यह बदलाव कंपनियों को अपनी भर्ती रणनीतियों को बदलने के लिए प्रेरित कर रहा है। केवल पारंपरिक डिग्री पर निर्भर रहने के बजाय, नियोक्ता अब व्यावहारिक हरित कौशल और व्यावहारिक अनुभव को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कई कंपनियां युवाओं को सस्टेनेबिलिटी से संबंधित कौशल से लैस करने के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। नया रोजगार परिदृश्य पहले के पूर्वानुमानों से ज्यादा मजबूत है। 2024 में नौकरी की मांग के मामले में हरित क्षेत्र में सालाना 15-20 फीसदी की दर से वृद्धि होने की उम्मीद थी। ज्यादातर ग्रीन जॉब्स अभी भी मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में हैं, लेकिन जयपुर, इंदौर, विशाखापत्तनम, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे छोटे शहर भी ग्रीन जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टियर-2 और टियर-3 शहरों में वित्त वर्ष 2028 तक अनुमानित 7.29 मिलियन नौकरियों में से 35-40 फीसदी का सृजन होने की उम्मीद है। ग्रीन जॉब्स की भूमिकाएं भी ज्यादा विविध होती जा रही हैं। ईएसजी विश्लेषण, जलवायु डेटा विश्लेषण और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसमें सालाना 20-30 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

एचडीबी के शेयर में लगी आग, सेबी के फैसले का इंतजार

मुंबई।

बिना स्टॉक एक्सचेंज में सूची हुए भी एचडीबी वित्तीय सर्विसेज के शेयरों में आग लगी हुई है। बीते माह भर में इस एचडीएफसी बैंक की सहयोगी कंपनी के शेयर 30 प्रतिशत चढ़ गए। इस उछाल के पीछे सेबी से आईपीओ मंजूरी देने की उम्मीद है। एचडीबी फाइनेंशियल जल्द 12,500 करोड़ का भारी-भरकम आईपीओ लाने वाली है। इसमें 2,500 करोड़ नए शेयर जारी होने और एचडीएफसी बैंक ओएफएस के जरिए 10,000 करोड़ के पुराने शेयर बेचेगा। आरबीआई के नियम के मुताबिक, बड़े एनबीएफसी को तीन साल में स्टॉक मार्केट में सूची में आना है। एक रिपोर्ट कहती है कि एचडीबी की वैल्यूएशन बहुत महंगा है। 1,240 की कीमत पर यह अपने भविष्य के मुनाफे के हिसाब से 4.6 गुना भाव पर ट्रेड कर रहा था, जबकि बाजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस जैसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले दिग्गज सस्ते हैं। अब सबकी निगाहें सेबी की मंजूरी पर टिकी हैं।

टिन के डब्बे से लेकर कार तक सब मंहगा, ट्रंप के टैरिफ का असर

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आदेश दिया है जिसमें स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 50 फीसदी कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से ही लागू हो गई है। यह कदम घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट देने के लिए उठाया गया है। इसको लेकर ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। मार्च के बाद से इन मेटल्स पर यह दूसरी टैरिफ बढ़ोतरी है, जो ऑटोमोबाइल से लेकर डिब्बाबंद सामान तक की इंडस्ट्री में इनपुट पर असर डालती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि पहले जितना टैरिफ लगाया जा रहा था, वह घरेलू इंडस्ट्री को लॉन्ग टर्म वायबिलिटी के लिए जरूरी उत्पादन क्षमता और उपयोग दरों को हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था और न ही अनुमानित नेशनल डिफेंस जरूरतों को पूरा कर रहा था। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा टैरिफ बढ़ने से घरेलू उद्योगों को मजबूत समर्थन मिलेगा और स्टील, एल्युमीनियम और संबंधित उत्पादों के आयात से पैदा हुए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को कम करने या खत्म करने में मदद मिलेगी। हालांकि, यूके से स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर टैरिफ मौजूदा 25 फीसदी के स्तर पर ही रहेगा, जिससे दोनों देशों को 9 जुलाई की समय सीमा तक नए लेवी या कोटा को अंतिम रूप देने के लिए समय मिल जाएगा। जबकि पिछले महीने स्टील पर व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए एक ढांचे पर सहमति हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों को अभी तक ब्रिटिश स्टील के लिए राहत की सीमा तय करनी है, और यह सौदा अभी तक लागू नहीं हुआ है। यूके के लिए छूट ब्रिटिश सरकार की ओर से यह पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद आई कि दोनों देश टैरिफ राहत समझौते को तेजी से लागू करने पर सहमत हो गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही पिछले तीन दिनों से पारी गिरावट पर विराम लग गया। इस सप्ताह के अंत में भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ रेपो रेट में कटौती की उम्मीद के चलते भी बाजार को बल मिला जिसके कारण भी यह उछला है। इसके अलावा अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति की उम्मीदों से भी बाजार में सकारात्मक रुख रहा। धातु और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी से भी बाजार बेहतर हुआ है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स अंत में 260.74 अंक करीब 0.32 फीसदी की बढ़त लेकर 80,998.25 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में यह 77.70 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी उछलकर 24,620 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.51 फीसदी और 0.82 फीसदी की बढ़त रही। वहीं सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी मेटल इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.8 फीसदी उछला। इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.62 फीसदी और ऑटो इंडेक्स में 0.5 फीसदी की तेजी रही। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, इटरनल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व आज सेंसेक्स में सबसे ज्यादा बढ़त में रहे। इनमें 2.9 फीसदी तक उछाल रहा। वहीं दूसरी ओर टीसीएस, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा और एक्सिस बैंक गिरावट पर बंद हुए। इन शेयरों में 1.5 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बुधवार को एशियाई बाजारों में बढ़त दर्ज की गई। वॉल स्ट्रीट में तेजी के चलते एशियाई बाजारों में भी मजबूती आई। यह टेक शेयरों और विशेष रूप से एनवीडिया जैसे चिप निर्माताओं कंपनी के शेयरों में तेजी से प्रेरित थी। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये उछाल एशियाई और दुनिया भर के बाजारों में बढ़त से आया है। वाहन, दवा और पीएसयू बैंक शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया है। आज सुबह सेंसेक्स इंडेक्स 175 अंक करीब 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 80,913 पर था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी बढ़कर 24,590 पर था। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.2 फीसदी की बढ़त रही। जानकारों के अनुसार निवेशकों का ध्यान आज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगा। इसके अलावा भारत और अमेरिका के मई के पीएमआई आंकड़े, वैश्विक बाजारों से संकेत, विदेशी निवेशकों का रुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी पर रहेगा। मौद्रिक नीति समिति के नीतिगत फैसले की घोषणा शुक्रवार को होगी। बिजनेस स्टैंडर्ड पोल के अनुसार आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की ओर से रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करके इसे 5.75 फीसदी किये जाने की उम्मीद है। वहीं एशियाई बाजारों में बढ़त रही है। वॉल स्ट्रीट में तेजी के चलते एशियाई बाजारों में भी ये तेजी आई। यह टेक शेयरों और विशेष रूप से एनवीडिया जैसे चिप निर्माताओं के शेयरों में तेजी आई।

देश का पहला पोलर रिसर्च जहाज बनाएगी ये डिफेंस कंपनी, निवेशकों की मौज

मुंबई।

डिफेंस कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में तूफानी तेजी है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 3464.85 रुपये के रिकॉर्ड पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में मिनीरत्न कंपनी के शेयरों में 75 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ने देश का पहला पोलर रिसर्च जहाज (पीआरवी) बनाने के लिए नॉर्वे की कंपनी कॉन्सबर्ग के साथ समझौता किया है। बीते 3 महीने में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में 177 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया है। जहाज को भारत में ही बनाया जाएगा और यह नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च की जरूरतों को पूरा करेगा। नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च जहाज को पोलर और सदर्न ओशंस के अभियानों में तैनात करेगा। यह समझौता देश की शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा मुकाम है। इस जहाज को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के कोलकाता यार्ड में तैयार किया जाएगा और यह केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया मुहिम को मजबूती देगा। चौथी तिमाही में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स को 244 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 62 पर्सेंट बढ़कर 1642 करोड़ रुपये रहा है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर पिछले पांच साल में 2000 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। मिनी रत्न कंपनी के शेयर 5 जून 2020 को 154.45 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 4 जून 2025 को 3464.85 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार साल में मिनीरत्न कंपनी के शेयरों में 1700 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, तीन साल में कंपनी के शेयर 1200 प्रतिशत से ज्यादा उछले हैं।

एप्पल ने दी चेतावनी, आईफोन को करें आईओएस 18.5 में अपडेट

नई दिल्ली।

एप्पल कंपनी ने आईफोन इस्तेमाल करने वालों को चेतावनी दी है। यह चेतावनी एप्पल ने हाल ही में अपने ऑपरेटिंग सिस्टम का नया अपडेट आईओएस 18.5 जारी किया है, साथ ही करोड़ों आईफोन यूजर्स को चेतावनी देते हुए उन्हें अपने डिवाइस को आईओएस 18.5 में तुरंत अपडेट करने की सलाह दी है। एप्पल का कहना है कि इस अपडेट के जरिए उसने आईफोन में पाई गई सुरक्षा खामियों को फिक्स किया है, जिनका फायदा उठाकर हैकर्स डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकते थे। कंपनी के मुताबिक आईओएस 18.5 में आईफोन 16ई मॉडल के बेसबैंड एलिमेंट में पाई गई खामी को ठीक किया गया है। इस खामी का फायदा उठाकर हैकर्स नेटवर्क को अनस्टेबल कर सकते थे, जिससे यूजर्स की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। इसके अलावा, कॉल हिस्ट्री सिस्टम, कोर ब्लूटूथ में पाई गई खामियों को भी ठीक किया गया है, जो ऐप्स को सेंसिटिव यूजर डेटा तक एक्सेस दे सकती थी। इसके साथ ही कंपनी ने ओरऑडियो और कोरमीडिया बग को भी फिक्स किया है जिससे तैयार की गई फाइल्स एक क्रेश का कारण बन सकते थे। साथ ही आईक्लाउड डॉक्यूमेंट शेयरिंग सिस्टम की कुछ कमियों को भी सुधारा गया है, जो हैकर्स को यूजर्स की अनुमति के बिना फोल्डर शेयर करने की सुविधा दे रहा था।

किआ मोटर्स से 2 पूर्व कर्मचारियों ने 1,008 इंजन चोरी किए

अमरावती।

किआ मोटर्स के 2 पूर्व कर्मचारियों ने स्क्रैप डीलर्स के साथ मिलकर 3 साल में कंपनी की फैक्ट्री से 1,008 इंजन चोरी किए है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है। चोरी हुए इंजन की कीमत 23 लाख डॉलर (करीब 1,955 लाख रुपए) थी। पुलिस जांच दस्तावेजों से पता चला है कि किआ इंडिया के दो पूर्व कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने स्क्रैप डीलरों के साथ मिलकर 3 सालों में कार निर्माता के कारखाने से 1,008 इंजन चुराए। हालांकि, इंजनों की कीमत सिर्फ 2.3 मिलियन डॉलर थी, लेकिन पुलिस जांच में पाया गया कि इस मामले का औद्योगिक परिचालन, हितधारकों के विश्वास और रोजगार सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ा। किआ ने मार्च में आंध्र प्रदेश पुलिस से शिकायत की थी कि आंतरिक रिकॉर्ड की समीक्षा में सामने आया कि उसकी सहयोगी कार निर्माता कंपनी हुंडई से प्राप्त इंजन गायब हैं और उन्हें पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों के बीच साजिश का संदेह है। पुलिस की 16 अप्रैल की रिपोर्ट में बताया गया कि इंजन डिपार्टमेंट का एक टीम लीडर और एक सेक्शन हेड, जो अब कंपनी में नहीं हैं। उन्होंने फर्जी कागजात और गेट पास के द्वारा इन इंजनों को बाहर भिजवाया। इस काम में दो और लोग शामिल थे जो ट्रांसपोर्ट का इंतजाम करते थे, साथ ही दो कबाड़ व्यापारी भी, जिन्होंने दिल्ली तक इन इंजनों को बेच दिया।

जांच अधिकारी इंस्पेक्टर के मुताबिक, पूरे ऑपरेशन में नकली रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कई ट्रकों का इस्तेमाल हुआ और लगातार अवैध ट्रांजैक्शन हुए। किआ इंडिया ने बताया कि उन्होंने बीते साल अपने इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम को अपग्रेड किया था, तब जाकर यह गड़बड़ी सामने आई। कंपनी ने खुद इंटरनल जांच की, फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और अब वे अपने सिस्टम और मॉनिटरिंग को और मजबूत बना रहे हैं। इस केस में एक आरोपी विनायगमूर्ति वेलुचामी (37) को गिरफ्तार किया है, जो इंजन डिस्पैच सेक्शन का प्रमुख था। उसका कहना है कि उसने 2023 में कंपनी छोड़ दी थी और इन चोरियों से उसका कोई लेना-देना नहीं है। दूसरा आरोपी पद्मन सलीम (33) है, जो 2020 से 2025 तक टीम लीडर के रूप में काम कर चुका है। फिलहाल उसकी लोकेशन का कोई पता नहीं चला है और पुलिस दस्तावेजों में जो नंबर दिए गए थे, वे भी बंद हैं।

अभी तक इन दोनों पर कोई औपचारिक चार्ज नहीं लगाए गए हैं, लेकिन पुलिस की जांच में ये दोनों मुख्य आरोपी माने जा रहे हैं। दस्तावेजों के अनुसार, इस तरह की चोरी और साजिश अगर साबित होती है तब भारतीय कानून के तहत 10 साल या उससे ज्यादा की सजा भी हो सकती है। भारत में छोटी-मोटी चोरी आम बात है, लेकिन इस तरह की लंबे समय तक चली फैक्ट्री स्तर की साजिश कम ही देखने को मिलती है।

अशोक लीलैंड को मिला 543 बसों का आर्डर, 14 साल बाद देगी बोनस शेयर

मुंबई।

कारोबारी वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लीलैंड के शेयर बुधवार को बीएसई में तेजी के साथ 238.10 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। अशोक लीलैंड को तमिलनाडु राज्य ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से बसों के लिए एक बड़ा ऑर्डर मिला है। ऑर्डर में कंपनी को 543 बीएस-6 डीजल चेसिस और पूरी तरह से बनी बसों की सप्लाई करनी है। कंपनी को यह ऑर्डर जून से दिसंबर 2025 के बीच पूरा करने की उम्मीद है। इतना ही नहीं अशोक लीलैंड अपने शेयरधारकों को 14 साल बाद बोनस शेयर का तोहफा देगी। लीलैंड ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि स्टैंडर्ड बिजनेस नॉर्म्स के साथ सामान्य टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद कंपनी को ऑर्डर मिला है। इस साल मार्च में लीलैंड को 700 करोड़ रुपये के कई डिफेंस ऑर्डर मिले थे, जिसमें डिफेंस सेक्टर के ट्रूप ट्रांसपोर्टेशन को सपोर्ट करना, लॉजिस्टिक्स और क्लोज-इन वीपन सिस्टम्स (सीआईडब्ल्यूए) प्रोग्राम के तहत दूसरी स्पेशलाइज्ड मोबिलिटी जरूरतों को पूरा करना शामिल था। चौथी तिमाही में अशोक लीलैंड का मुनाफा सालाना आधार पर 38.4 प्रतिशत बढ़कर 1246 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 900 करोड़ रुपये था।

लीलैंड ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है। कंपनी अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 1 फ्री शेयर देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। अशोक लीलैंड 14 साल बाद शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दे रही है।

अब मुंबईवासियों को मिलेगी ताजा चैरी, कटड़ा रेलवे स्टेशन से शुरु हुई सुविधा

स्वराज एक्सप्रेस ट्रेन में विशेष कार्गो बैगन डिब्बे लगे, फल व्यापारी हुए खुश

कटड़ा।

रेलवे स्टेशन कटड़ा से मंगलवार को स्वराज एक्सप्रेस ट्रेन में विशेष कार्गो बैगन डिब्बे में 12 टन चेरी फल की दूसरी खेप मुंबई रवाना हुई। जबकि 31 मई को पहली खेप भेजी गई थी। रेलवे विभाग ने रेलवे स्टेशन कटड़ा से फल विक्रेताओं के लिए यह सुविधा शुरू की है। यह चेरी मुंबई वासियों को 30 घंटे में उपलब्ध हो जाएगी।

यह सुविधा शुरू होने से कश्मीर के व्यापारियों ने खुशी जताई है और उम्मीद की कि इस सुविधा से समय और पैसे की बचत होगी। चेरी व्यापारी अली मोहम्मद ने कहा कि इससे पहले कश्मीर के प्रसिद्ध ताजे फलों को देश के अन्य राज्यों में भेजने के लिए परेशानियां झेलनी पड़ती थी साथ ही पैसे और समय की बर्बादी भी होती थी। साथ ही ताजे फलों को लेकर नुकसान भी उठाना पड़ता था। यह सुविधा शुरू होने से अब ऐसा नहीं होगा। अली ने कहा कि अब कटड़ा रेलवे स्टेशन कटड़ा से कश्मीर के सभी प्रकार के ताजे फलों के साथ ही सुखे मेवे आदी बिना किसी परेशानी के देश के कई भागों में भेज सकेंगे।

मंगलवार तड़के कश्मीर से ट्रकों में ताजी चेरी फल कटड़ा रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचे और उन्हें रेल के विशेष कार्गो बैगन डिब्बे में लोड किया गया। इसके बाद कटड़ा रेलवे स्टेशन से मुंबई के लिए स्वराज एक्सप्रेस के साथ इसे रवाना कर दिया गया। कटड़ा रेलवे स्टेशन के सुपरिंटेंडेंट ने कहा कि कटड़ा स्टेशन से मुंबई के लिए कश्मीर की प्रसिद्ध चैरी फल रवाना की गई है। जम्मू डिवीजन के रेलवे के अधिकारियों की सक्रिय प्रयासों से यह पहल शुरु की गई है।

एसआईएफ म्युचुअल फंड हाउस में एंट्री करने को तैयार

नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर दे रही ध्यान

नई दिल्ली।

फंड हाउस आने वाले महीनों में हाल में पेश स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) सेगमेंट में प्रवेश करने को तैयार है। कई फंड हाउस अपनी नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। वे पारंपरिक योजनाओं से अलग हटकर अपनी पेशकशों पर ध्यान देना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में म्युचुअल फंड अधिकारियों का कहना है कि इक्विटी और हाइब्रिड श्रेणियों के बीच चयन तीन मुख्य कारकों पर केंद्रित है। निवेश दायरे में मौजूदा उत्पाद अंतराल, इस तरह के प्रस्तावों की बाजार में मांग और फंड हाउस के पास उपलब्ध संसाधन। इस तरह की शुरुआती एसआईएफ पेशकशें अगले माह की जा सकती हैं। दो परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां क्वांट और एडलवाइस ने एसआईएफ लाइसेंस हासिल किए हैं। एडलवाइस 'एल्टिवा एसआईएफ' ब्रांड के तहत अपना एसआईएफ व्यवसाय चालू करेगी। कई अन्य एएमसी ने भी सेबी के पास एसआईएफ लाइसेंस के लिए आवेदन किया है या फिर वे इसकी तैयारी कर रहे हैं। उत्पाद के मोर्चे पर, एडलवाइस और ऐक्सिस ने हाइब्रिड रणनीतियों को चुना है, जबकि क्वांट और एसबीआई इक्विटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उद्योग सूत्रों के मुताबिक कम से कम तीन अन्य फंड हाउस कथित तौर पर इक्विटी या हाइब्रिड फंड लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। मौजूदा एसआईएफ नियम सात एसआईएफ उत्पादों तक की अनुमति देते हैं। इक्विटी, हाइब्रिड और डेट श्रेणियों में दो-दो। उदाहरण के लिए एडलवाइस एएमसी ने अपनी पहली पेशकश के लिए हाइब्रिड ढांचे को अपनाया है। एडलवाइस एमएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निरंजन अवस्थी ने कहा कि इस सेगमेंट का इस्तेमाल या तो एक टू-टू-लेबल मल्टी-ऐसेट फंड या एक कर-किफायती आय-केंद्रित या एब्सोल्यूट रिटर्न रणनीति शुरू करने के लिए किया।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति करना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता हैं। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव

के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के परि उपसर्ग (चारों ओर) और आवरण से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

पांच वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

भारत का पहला पर्यावरण आंदोलन बिश्नोई आंदोलन था। अमृता देवी ने इस प्रयास का नेतृत्व किया था। जिसमें 363 लोगों ने अपने जंगलों के संरक्षण के लिए अपनी जान दे दी। पेड़ों की सुरक्षा के लिए उन्हें गले लगाने या आलिंगन देने की अवधारणा स्थापित करने वाला यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी। यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

संपादकीय

युद्ध और अ-शांति

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

सनत जैन

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स–जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86–तेजी से

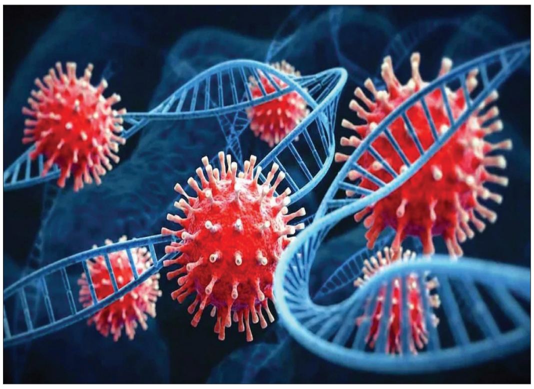

फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है।

सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुईं थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है।

सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मुफ्त जांच, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आश्वासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है। महामारी को लेकर की गई लापरवाही की कीमत देश पहले ही भोग चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोरोना के इस नए वायरस को गंभीरता से लेना होगा। इसका इलाज किस तरह से हो जिसका लाभ मरीजों को मिले तथा कोरोना की बीमारी के जो विभिन्न किस्म के वायरस बार-बार नए-नए रूपों में जन्म ले रहे हैं। उसके लिए टीका विकसित करने जैसी स्थितियों पर विचार करना होगा। आशा की जाती है कि भारत सरकार और राज्य सरकारें त्वरित कार्यवाही करें। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए नई गाइडलाइन जारी करें। वायरस से किस तरीके से निपटा जा सकता है। इसका उपचार कैसे होगा इसकी जानकारी निचले स्तर तक भेजने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दिशा में गंभीरता के साथ युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए, यही समय की मांग है।

मुद्दा : कोमल मन पर भारी कठोर परवरिश

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है।

अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं। कई बार वह ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसके बाद पछताने के अलावा कोई और रास्ता परिवार के पास भी नहीं होता, इसलिए माता-पिता को बच्चों के साथ पेश आने में बहुत ही सतर्कता बरतनी चाहिए। किसी भी बात पर उनको समझाएं, न कि सबके सामने उन्हें डांटें। अगर डांटना बहुत जरूरी है, तो अकेले में ही डांटें। सबके सामने ऐसा करने से बचें, ताकि उनको बेइज्जती महसूस न हो।

चाइल्ड एक्सपर्ट का कहना है कि आज के दौर में बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उन्हें अच्छे या बुरे की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार और अपनेपन के साथ। हर बात पर उन्हें डांटना या पीटना ठीक नहीं है। कुछ एक्सपर्ट कहते हैं कि माता-पिता बच्चों को नहीं डांटें तो वे मनमानी करते हैं और अगर डांटें तो बच्चे दिल पर ले लेते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि मां-बाप बच्चों को कैसे समझाएं, क्योंकि बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। छोटी-छोटी बातों का उनके मन पर गहरा असर होता है। अगर सबके सामने उनको डांट दिया जाए, तो वे इसे अपनी बेइज्जती समझ लेते हैं। आहत होकर कई बार वह गलत कदम उठा लेते हैं। असल में परिवार को अब इस बात को समझना होगा कि बदलते माहौल में बच्चों की परवरिश यदि उसके अनुसार न हो, तो उसके परिणाम गंभीर होते हैं। आमतौर पर कुछ बच्चे काफी सहज और सरल होते हैं, तो कुछ बेहद ही संवेदनशील। ऐसे में उनके स्वभाव के अनुसार ही उनकी देखभाल करने की

जरूरत होती है। बच्चों की भावनाओं का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। उनके कोमल मन को समझना भी बहुत जरूरी है। हर बात वह गलत हों, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार बच्चे सच बोल रहे होते हैं, तो भी उन्हें गलत मान लिया जाता है। परिवार को सही और गलत के निर्णय पर पहुंचने से पहले कई बार सोचना होगा। हर बात पर बाल मन का इस तरह तिरस्कार करना सही नहीं कहा जा सकता। हर बच्चे को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

हेल्थ प्लस

पैसिव स्मोकिंग से एल्जाइमर का खतरा!

स्मोकिंग करने वालों में एल्जाइमर और डिमेंशिया के दूसरे लक्षणों के बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन शोध के दौरान यह पाया गया कि जो लोग स्मोकिंग नहीं करते, उनमें भी यह खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और पैनेसुएला मैडिकल स्कूल के रिसर्चर्स ने ब्रिटेन में 50 साल से अधिक उम्र के करीब पांच हजार लोगों का परीक्षण किया, जो स्मोकिंग नहीं करते थे। शोध के दौरान सभी लोगों की लार में मौजूद निकोटीन की मात्रा की जांच की गई। यह रिसर्च ब्रिटिश मैडिकल जर्नल में प्रकाशित हुई है।

दूसरों द्वारा बनाए गए धूएं के छल्ले नॉन स्मोकर के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। इन पैसिव स्मोकर्स में मेमोरी लॉस और डिमेंशिया से पहले ही मानसिक क्षमता के कम होने के लक्षण पाए गए।

रिसर्च के प्रमुख डॉ. डेविड लिलेवेलन ने कहा कि नए परीक्षणों से यह बात साबित होती है कि ऐसा वर्कप्लेस पर स्मोकिंग करने वालों के बीच बैठने से ज्यादा होता है।

हैल्दी फ्यूचर के लिए....

आमतौर पर बच्चों की आदत होती है कि घर में जो भी पड़ा हो, वे खा लेते हैं। इसलिए पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वे घर में जंक फूड, जैसे नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट्स, स्वीट्स, कोला ड्रिंक्स इत्यादि न रखें। बच्चों में शुरू से ही अच्छे खानपान की आदतें डालें, ताकि उनका फ्यूचर हैल्दी रहे।

- बच्चों को बढ़िया प्रोटीन युक्त खाना दें, जैसे फिश, पनीर, दालें, दूध इत्यादि।
- फ्रोजन फ्रूट्स और कोला जैसी ड्रिंक्स की बजाय मीठा दही, लस्सी, मिल्क शेक, जूस और फ्रैश फ्रूट दें।
- जब भी संभव हो, डीप फ्राइंग की जगह खाने को स्टीम, बेक, ग्रिल या रोस्ट करें।
- बच्चों को खुश करने के लिए तोहफे के तौर पर मिठाइयां या चॉकलेट कभी न दें।
- फास्ट फूड और अन्य लो न्यूट्रिएंट स्नैक्स को तरजीह न दें, परंतु इन्हें पूरी तरह बैन भी न करें। महीने में एक-दो बार बच्चों को फास्ट फूड खाने की इजाजत जरूर दें, नहीं तो वे आपसे छुप कर जंक फूड खाएंगे

संगीत का दिल से नाता

यदि आपको हाई ब्लड प्रैशर की समस्या है, तो आपको कार्डियोवैस्कुलर डिसीज का खतरा 31 फीसदी ज्यादा होता है। दवाईयों के इस्तेमाल व हैल्दी लाइफस्टाइल के अलावा संगीत भी ब्लड प्रैशर पर काबू पाने में अहम भूमिका निभाता है। सही धुन ब्लड प्रैशर पर कंट्रोल करने में मदद करती है।

इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरेंस के रिसर्चर्स ने 28 व्यस्कों को, जो पहले से ही हाई ब्लड प्रैशर के लिए दवाई लेते थे, उन्हें रोजाना मनपसंद लाइट म्यूजिक 30 मिनट तक सुनने को कहा।

एक हफ्ते बाद उन्होंने पाया कि जिन लोगों ने रोजाना म्यूजिक सुना था, उनकी औसत सिस्टोलिक रीडिंग 3.2 प्वाइंट्स कम थी और एक महीने बाद यह रीडिंग 4.4 प्वाइंट कम थी।

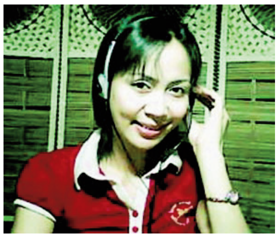

एक्सरसाइज करें जोड़ों का दर्द घटाएं

लाइफ स्टाइल में बदलाव और सही समय पर डॉक्टर से जांच व इलाज से अर्थराइटिस की तकलीफों से काफी हद तक दूर रहा जा सकता है...

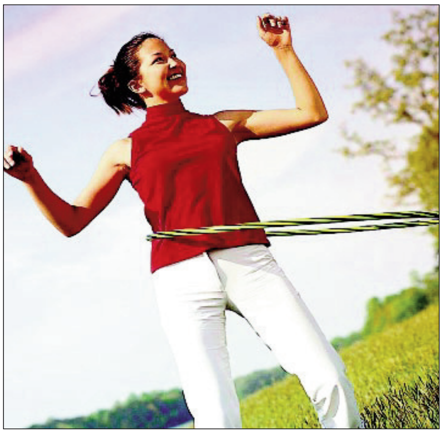

अर्थराइटिस शरीर के खराब हो चुके जोड़ों का समूह है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अर्थराइटिस होने की आशंका ज्यादा होती है। यह अधिकतर 55 साल से अधिक उम्र के लोगों में होता है। इससे ग्रस्त लोगों को जोड़ों में दर्द और हिलनेडुलने में परेशानी होती है। शरीर का कोई भी जोड़ अर्थराइटिस का शिकार हो सकता है, फिर चाहे वह घुटना, नितंब, गर्दन, कंधा या उंगलियां ही क्यों न हों।

अर्थराइटिस के कुछ प्रकारों में रोग का कारण मालूम होता है, लेकिन अन्य में कारण अज्ञात है। कुछ प्रकार के अर्थराइटिस अचानक उभर आते हैं, और कुछ अन्य धीरे-धीरे विकसित होते हैं।

दुनिया में लगभग 100 प्रकार के अर्थराइटिस पाए जाते हैं। ऑस्टियो-अर्थराइटिस अमूमन बुजुर्गों को होता है। इसमें सबसे ज्यादा घुटने प्रभावित होते हैं। मोटापे की शिकार महिलाओं में इसकी संभावना चार गुना बढ़ जाती है। रियूमेटाइड अर्थराइटिस में जोड़ों, उसके आसपास की जगह और शरीर में काफी ज्यादा जलन होती है। यह अकसर 15 से 45 आयु वर्ग की महिलाओं को होता है। इसमें दर्द, सूजन और अकड़न होती है। फाइब्रोफयालजिया में हड्डियों और जोड़ों के बीच के टिश्यू में दर्द होने लगता है। टेंडिंटिस अर्थराइटिस शरीर के किसी अंग के ज्यादा इस्तेमाल के कारण होता है, जैसे अकसर खिलाड़ियों को टैनिस एल्बो की शिकायत हो जाती है।

इसलिए होता है अर्थराइटिस?

अर्थराइटिस होने के कई कारण हैं। इनमें से कुछ हमारे कंट्रोल में होते हैं और कुछ नहीं।

न बदले जा सकने वाले कारण

उम्र: बढ़ती उम्र के साथ अर्थराइटिस होने का खतरा ज्यादा रहता है।

लिंग: काफी किस्म का अर्थराइटिस आमतौर पर औरतों में पाया जाता है। अर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में 60 फीसदी महिलाएं होती हैं। गाउट (सूजन) पुरुषों में ज्यादा पाया जाता है।

जैनेटिक: कुछ खास किस्म के जींस अर्थराइटिस होने की संभावनाएं बढ़ाते हैं। इनमें रियूमाटोईड अर्थराइटिस (RA), सिस्टेमिक लूपस अर्थिमिट्स (SLE), एंकीलूसिंग स्पांडिलाइटिस प्रमुख हैं।

बदले जा सके वाले कारण

मोटापा: मोटापा जैसे-जैसे बढ़ता है, घुटनों में अर्थराइटिस भी बढ़ता जाता है। भारत में खासतौर पर उत्तर भारत में इस किस्म का अर्थराइटिस आमतौर पर देखने को मिलता है।

जोड़ों में चोट: जोड़ों में किसी प्रकार की चोट लगने के कारण भी अर्थराइटिस बढ़ जाता है।

इंफैक्शन: कई प्रकार के किटाणु जोड़ों में नुकसान पहुंचाकर अर्थराइटिस की शुरुआत कर सकते हैं।

काम-काज: ऐसे काम-काज, जिनमें बार-बार घुटनों के बल झुकना या बैठना पड़ता है, उन व्यक्तियों को घुटनों में अर्थराइटिस की संभावना बढ़ जाती हैं।

इसकी पहचान

यदि दर्द सुबह उठते वक्त हो, तो वह गठिया हो सकता है। जोड़ों में सूजन, सुबह की अकड़न, जोड़ों का अकड़ना, छूने पर दर्द होना आदि अर्थराइटिस के प्रमुख लक्षण हैं। जोड़ों में से चरमराने और चटकने की आवाज आती है। वह जोड़ अपनी जगह से अधिक हिल-डुल नहीं पाता और उसमें गांठ भी उभर सकती है। कई बार दर्द काफी बढ़ जाता है और जोड़ में सूजन आ जाती है। अर्थराइटिस से पीड़ित कई महिलाओं की जोड़ों से जुड़ी परेशानियां पीरियड्स के दौरान बढ़ जाती हैं। इसके अलावा कभी-कभी जोड़ों के दर्द के साथ बुखार होना, पेट खराब होना, पेशाब में इंफैक्शन या स्किन संबंधी कोई रोग भी अर्थराइटिस की पहचान हो सकते हैं।

इलाज

अर्थराइटिस का इलाज़ जल्द होना बहुत जरूरी है। अर्थराइटिस से लड़ने का सबसे बेहतर तरीका है, अपने रोजमर्रा के कामों को करना। एक्सरसाइज करना भी महत्वपूर्ण है। इससे कार्टिलेज में खून का रिसाव बढ़ता है और यह फालतू पदार्थों को शरीर से बाहर निकालता है। एक्सरसाइज से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और मांसपेशियों में बढ़ती ताकत जोड़ों को सहारा देती है और चोट लगने से बचाती है।

सर्जरी

अर्थराइटिस के कारण जिन लोगों के जोड़ खराब हो चुके हैं और मैडिसिन आदि से जिन्हें आराम नहीं मिलता, उनकी सर्जरी की जाती है।

बेल में बल

बेल उष्ण कटिबंधीय फल है। औषधीय प्रयोग में बेल का कच्चा फल, मुरब्बे के लिए अधपका और शरबत के लिए पका फल काम में लाया जाता है। खाने या शर्बत बनाने के लिए खेतों व बागों में उगाए बेल और औषधि बनाने में जंगली बेल का प्रयोग होता है। जंगली बेल के पेड़ में कांटे अधिक और फल छोटा होता है। बेल गर्मी व पेट के रोगों से मुक्ति प्रदान करता है। इसके पत्तों का रस घाव ठीक करने, दर्द नाशक, बुखार खत्म करने, जुकाम और श्वास रोग मिटाने व यूरिन में ग्लूकोज कम करने वाला होता है। इसकी छाल और जड़ घाव, कफ, बुखार, पीलिया, अपच, यूट्रस के जख्म इत्यादि दूर करने में सहायक होती है। इसका सेवन भूख बढ़ाता है, चुस्ती देता है, पतले दस्तों में फयदा पहुंचाता है, आंखों की चुभन दूर करता है। बेल के फलों का अधिक सेवन बवासीर के रोगियों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3551

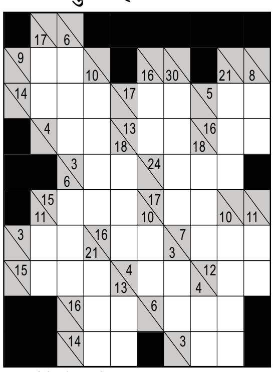

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3550 का हल

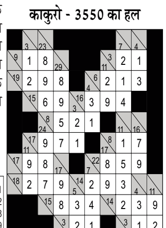

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3551

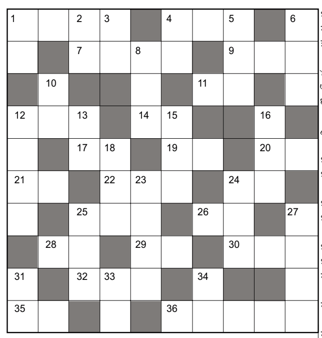

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3550

सूडोकु -3551

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3550 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3551

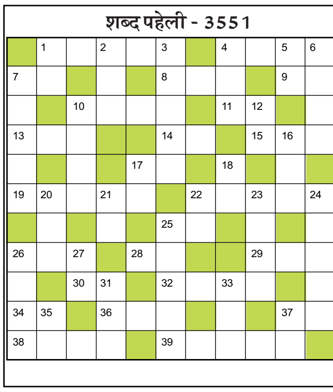

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली - 3550 का हल

केंद्रीय परिवहन मंत्री गडकरी को ग्राफिक एरा ने 'डॉक्टरेट ऑफ साइंस' की मानद उपाधि से किया सम्मानित

एजेंसी

देहरादून। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, देहरादून ने अपने 12वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को 'डॉक्टरेट ऑफ साइंस' की मानद उपाधि से सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों की उपाधियां सौंपकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देहरादून को जाम से निजात दिलाने के लिए राज्य सरकार की प्रस्तावित योजना पर सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के 12वें दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा कि यह दिन विद्यार्थियों के परिश्रम, समर्पण और संकल्प का प्रमाण है। यह डिग्री शैक्षणिक उपाधि के साथ एक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि ब्रिज, टनल, सड़क, हाइवे जैसे निर्माण के क्षेत्र में बीते सालों में कई कीर्तिमान स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, निरंतर ग्रीन एनर्जी पर कार्य कर रही है। हाइड्रोजन गैस हमारे भविष्य का ईंधन है। ऑर्गेनिक म्युनिसिपल वेस्ट से हाइड्रोजन बनाने का कार्य किया जा रहा है, जो बहुत सस्ता विकल्प है। उन्होंने कहा कि वो स्वयं हाइड्रोजन गैस पर चलने वाली गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं।

कोलकाता में गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक को वीज़ा कैसे मिला-ईडी ने विदेश मंत्रालय से मांगी जानकारी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में फर्जी पासपोर्ट और हवाला रैकेट मामले में गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक आज़ाद मलिक को जारी भारतीय वीज़ा से जुड़ी जानकारी विदेश मंत्रालय (एमईए) से मांगी है। एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि एक पाकिस्तानी नागरिक, जिसने बाद में फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकता हासिल की, उसे भारत आने का वीज़ा कैसे जारी हुआ। ईडी के सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से पाकिस्तान का नागरिक आज़ाद पहले फर्जी दस्तावेज़ों के ज़रिए बांग्लादेशी नागरिक बना, इसके बाद उसने भारत के लिए वैध वीज़ा प्राप्त किया। भारत आने के बाद उसने फिर से फर्जी दस्तावेज़ों के माध्यम से भारतीय पासपोर्ट समेत कई पहचान पत्र बनवा लिए और कोलकाता के उत्तरी उपनगरों में किराए के मकान से फर्जी पासपोर्ट और हवाला कारोबार चलाने लगा। ईडी ने विदेश मंत्रालय से यह जानकारी मांगी है कि जब आज़ाद ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताकर वीज़ा के लिए आवेदन किया था, तब उसने कौन-कौन से दस्तावेज़ प्रस्तुत किए थे और उस समय आवेदन की जांच किस अधिकारी ने की थी। जांच में पता चला है कि पाकिस्तान में उसका मूल नाम 'आज़ाद हुसैन' था, जिसे बांग्लादेशी नागरिकता लेते समय बदल कर 'अहमद हुसैन आज़ाद' कर दिया गया। बाद में जब उसने फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाया, तब उसका नाम 'आज़ाद मलिक' दर्शाया गया।

जमाअत-ए-इस्लामी ने मुस्लिम विरोधी हिंसा और बुलडोजर अन्याय पर चिंता जताई

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने फिलिस्तीन के गाजा में जारी नरसंहार की कड़ी निंदा की है। जमाअत के नेताओं न इसके साथ ही देश भर में मुस्लिम विरोधी हिंसा में वृद्धि और मुस्लिम संपत्तियों, संस्थानों को निशाना बनाने के लिए बुलडोजर एक्शन पर भी चिंता जताई है। जामिया नगर के अबुल फजल स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने गाजा में नए इजरायली हमले और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ जारी नरसंहार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जमाअत फिलीस्तीनी जनता के साथ एकजुटता से खड़ी है तथा तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम, नाकाबंदी हटाने तथा फिलीस्तीनी अधिकारों की पूर्ण बहाली की मांग करती है। उन्होंने भारत सरकार से आग्रह किया कि मात्र चिंता व्यक्त करने से आगे बढ़कर एक सैद्धांतिक रुख अपनाकर इसरायल के नरसंहार के विरुद्ध निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई की मांग करे। देश की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने कहा कि अलीगढ़ में चार मुस्लिम मांस व्यापारियों पर हाल ही में हुआ हमला अत्यंत चिंताजनक है।

नीट-यूजी 2025 की आंसर की जारी, 5 जून तक दी जा सकेगी आपत्तियां

कोटा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट-यूजी 2025 की आंसर-की, स्कैन्ड ओएमआर इमेज तथा रिकॉर्डेड रेस्पोंसेज जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही एक नोटिफिकेशन जारी कर इसकी पूरी प्रक्रिया बताई गई है। अभ्यर्थी किसी उत्तर पर अपनी आपत्ति भी 5 जून तक दर्ज करा सकते हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार नीट यूजी 2025 का परिणाम अब बहुत जल्दी जारी किया जाना संभावित है। विद्यार्थियों को उनकी ओएमआर शीट की स्कैन कॉपी कैंडिडेट रजिस्ट्रेशन पोर्टल लिंक से मिल सकेगी। इसमें एप्लीकेशन नम्बर व पासवर्ड की जानकारी कैंडिडेट को सबमिट करना होगा । सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स की जारी की जाने वाली आंसर-की को ही फाइनल माना जाएगा तथा इसी के अनुसार रिजल्ट जारी किया जाएगा। यदि किसी उत्तर पर आपत्ति हो, तो वो 5 जून 2025 तक आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, पुलिस और पीएसी की भर्ती में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ा फैसला लिया है। यूपी पुलिस और पीएसी की भर्ती में 20 प्रतिशत का आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अग्निपथ योजना शुरू की गई है, जो देशभक्त और प्रेरित युवाओं को सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना) में सेवा करने का अवसर देती है। इसके तहत अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में सेवा से बाहर आएगा, जिसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा और 75 प्रतिशत अग्निवीर सशक्त और कार्यकुशल होकर

समाज की मुख्यधारा में पुनः शामिल होंगे। पूर्व अग्निवीरों की भर्ती के लिए रिक्तियों के आरक्षण के संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुड़सवार एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को (4 साल की सेवा के पश्चात) 20 प्रतिशत पद को आरक्षित रखते हुए क्षैतिज आरक्षण प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। भूतपूर्व सैनिक की तरह अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण के प्रस्ताव पर मुहर लगी। इसके तहत जो राशन की दुकानें गली या संकरी सड़कों पर हैं, उनके लिए ऐसी जगह भवन बनेगा, जहां आसानी से ट्रक जा सके। नए भवन में गोदाम और वितरण स्थल दोनों होंगे। इसके लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इन्हें मनरेगा से बनाया जाएगा। जिलों में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण होगा। इसके साथ ही, इन भवनों के अनुरक्षण की व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश होम स्टे नीति को मंजूरी मिली। इसके तहत धार्मिक स्थलों में होम स्टे का प्रावधान तैयार किया जाएगा। एक कमरे से लेकर छह कमरे तक (अधिकतम 12 बेड) की व्यवस्था हो सकेगी। श्रद्धालुओं को एक साथ सात दिन तक रुकने की व्यवस्था मिलेगी।

स्वच्छ पौधा कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र को मिलेंगे तीन पौध केंद्रः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुणे में कहा कि केंद्र सरकार देश में स्वच्छ पौधा कार्यक्रम के तहत पौध के नौ केंद्र स्थापित करेगी, जिनमें से तीन महाराष्ट्र में होंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज तथा राज्य व्यवस्थापन प्रकोष्ठ ग्रामीण-आवास विभाग की ओर से पुणे में श्री छत्रपति क्रीड़ा संकुल, म्हालुंगे बालेवाड़ी में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) लाभार्थी समागम तथा महाआवास अभियान राज्यस्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंगूर के लिए एक केंद्र पुणे में, दूसरा संतरे के लिए नागपुर में और तीसरा अनार के लिए सोलापुर में शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए कुल 300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बागवानी के लिए नर्सरियों से प्राप्त पौधे रोगमुक्त और किसानों के लिए फायदेमंद होंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत आधुनिक नर्सरियां स्थापित की जाएंगी और इन नर्सरियों को चलाने के लिए तकनीक का उपयोग करके किसानों को दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इससे किसानों को हर साल आठ करोड़ रोगमुक्त पौधे मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के आधार पर महाराष्ट्र का बागवानी क्षेत्र दुनिया में अग्रणी होगा। कृषि मंत्री ने किसानों को खेती को लाभकारी बनाने के लिए उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने तथा प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में कृषि उपज को सुरक्षित रखने के उपाय करने की सलाह दी।

गरीब, किसान, महिला और युवाओं का कल्याण हमारे बजट का केन्द्र बिंदु - सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के विजन को प्रभावी गति देने के लिए बजट 2025-26 में सभी आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। हमारे बजट में प्रदेश की 8 करोड़ जनता का कल्याण और समस्त 200 विधानसभाओं का सर्वांगीण विकास निहित है, जिससे प्रदेश वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजटीय प्रावधानों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की चरणबद्ध और एकीकृत रूप से लागू की जाने वाली बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कार्यों का शिलान्यास हमारी सरकार के कार्यकाल में हो रहा है, उनका उद्घाटन भी हमारे ही कार्यकाल में हो इसके लिए सभी घोषणाओं को समय पर पूरा होना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग कार्ययोजना बनाकर चरणबद्ध रूप से होने वाले कार्यों के हर चरण की

समय-सीमा तय करें और उसी अनुरूप कार्य करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग कर रही है जिससे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक इन जनकल्याणकारी योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचना सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के विशेष निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि सुदृढ़ आधारभूत संरचना प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के विषय पर किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। सड़क निर्माण कार्यों का फिजिकल वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करवाएं। साथ ही, बिजली, पानी, सीवर की लाइन डालने और सड़क बनाने के कार्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से करें।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में होगा बड़ा बदलाव, राहुल गांधी ने किया साफ

एजेंसी

भोपाल । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करते हुए साफ कर दिया है कि कांग्रेस में बड़ा बदलाव होने वाला है। उन्हें मध्य प्रदेश में 55 नेताओं की जरूरत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजधानी में कार्यकर्ताओं से कहा कि अब पहले जैसे जिला अध्यक्ष नहीं चुने जाएंगे, बल्कि दिल्ली से भेजे जाने वाले पर्यवेक्षक के साथ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद ही चुने जाएंगे। पहले जैसे अध्यक्ष नहीं होंगे, जैसे किसी नेता का सहायक अध्यक्ष बन जाता था। उन्होंने आगे कहा कि जिलाध्यक्षों की भूमिका विधानसभा के उम्मीदवार से लेकर लोकसभा के उम्मीदवार के चयन में अहम होगी। जिलाध्यक्ष ताकतवर होंगे। पार्टी आने वाले समय में ब्लॉक स्तर पर जाएगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पार्टी ताकतवर है और उन्हें 55 नेताओं की जरूरत है। इसके लिए पार्टी बेहतर और ऊर्जावान लोगों की तलाश करेगी। यहां के नेताओं में भाजपा को हराने की क्षमता है, मगर उनके हाथ बंधे हुए हैं। राहुल गांधी ने राज्य में सक्षम कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपे जाने की बात कही। उन्होंने कहा

कि कांग्रेस में तीन तरह के घोड़े हैं। एक बारात वाले, दूसरे रेस वाले और तीसरे लंगड़े। रेस वाले घोड़े को बारात में भेज दिया जाता है और बारात वाले को रेस में। अब ऐसा नहीं होगा। जो घोड़े लंगड़े हैं और थक चुके हैं, उन्हें अलग करना होगा। कांग्रेस नेता ने गुजरात में कांग्रेस में किए गए बदलाव का जिक्र किया और कहा कि वहां जिलाध्यक्ष बनाने के लिए कार्यकर्ता, नेता और वरिष्ठ नेता से बात की गई। उसके बाद नियुक्ति हुई। जो सूची राज्य इकाई से भेजी गई थी और पर्यवेक्षकों ने बनाई, उनमें बड़ा अंतर था। बता दें कि राहुल गांधी के स्वागत के लिए राजधानी में कांग्रेस ने जोरदार तैयारी की थी। जगह-जगह कार्यकर्ताओं का हुजूम लगा रहा। कांग्रेस के झंडे भी हर तरफ नजर आए।

अब 'राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य' के नाम से जाना जाएगा मप्र का पचमढ़ी अभयारण्य, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा कि प्रदेश के पचमढ़ी अभयारण्य को अब 'राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य' के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि यह राजा भभूत सिंह के पर्यावरण प्रेम और पचमढ़ी को विदेशी ताकतों से संरक्षित रखने के आजीवन अथक प्रयासों को समर्पित है। अभयारण्य में राजा भभूत सिंह के जीवन, संघर्ष, वीरता और योगदान से संबंधित जानकारी को प्रदर्शित किया जाएगा। यह कदम न केवल स्थानीय गौरव को बढ़ावा देगा बल्कि अभयारण्य की पहचान को भी मजबूत करेगा। यह क्षेत्र के ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व का प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज पचमढ़ी स्थित राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे

थे। उन्होंने कहा कि राजा भभूत सिंह का आदिवासी समाज पर बहुत अधिक प्रभाव रहा है। उनकी वीरता के किस्से आज भी लोकमानस की चेतना में जीवंत हैं। राजा भभूत सिंह के योगदान को स्मरण करने के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक पचमढ़ी में आयोजित की गई है। यह राजा भभूत सिंह के योगदान को समाज के सामने लाने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजा भभूत सिंह सन् 1857 में आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के मुख्य सहयोगी थे। अपनी छापामार युद्ध नीति के कारण ही भभूत सिंह नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते हैं। राजा भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही मद्रास इन्फेंट्री को बुलाना पड़ा था। राजा भभूत सिंह अपनी सेना के साथ 1860 तक लगातार अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष करते रहे, अंग्रेज पराजित होते रहे। अंग्रेज दो साल के बाद राजा भभूत सिंह को गिरफ्तार कर पाए और इसके बाद अंग्रेजों ने 1860 में उन्हें फांसी दे दी। उन्होंने कहा कि राजा भभूतसिंह की वीरता और बलिदान को कोरकू समाज ने लोकगीतों और भजनों के माध्यम से जीवित रखा है। पचमढ़ी क्षेत्र के गाँवों, मंदिरों और लोक संस्कृति में आज भी उनकी गाथाएँ सुनाई जाती हैं। राजा भभूतसिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि वे जनजातीय चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक बन चुके हैं।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने निकाह पढ़ाने का शुल्क किया तय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने अब निकाह पढ़ने का शुल्क तय कर दिया है। इसके अनुसार निकाह पढ़ाने वाले 1100 रुपये से ज्यादा नहीं ले सकेंगे। वहीं न्यूनतम शुल्क 11 रुपये निर्धारित किया गया है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने इस संबंध में सभी मुतवल्लियों को सोमवार देर शाम आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने उक्त संबंध में आज एक प्रेस नोट भी जारी कर यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने कहा कि कई जगहों से शिकायतें मिल रही थीं कि मौलवी, हाफिज और ईमाम निकाह पढ़ने के लिए मनमानी रकम ले रहे हैं, जो इस्लाम और शरीअत के खिलाफ है। बोर्ड ने कहा कि हमें निकाह को आसान करना है ताकि गरीब और बेसहारा परिवार के बच्चे-बच्चियों के परिवार पर आर्थिक बोझ न पड़े। निकाह पढ़ाने की एवज में जो परिवार अपने स्वेच्छा दें, उसे स्वीकार करें। बोर्ड ने कहा है कि निकाह की रकम नजराने के तौर पर 11 रुपये से 1100 रुपये निर्धारित की गई है और उसका पालन करें। नहीं तो मुतवल्लियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने बताया कि विगत दिनों कुछ शिकायतें प्राप्त हुई थीं कि किसी एक इमाम/मौलाना ने निकाह पढ़ने के लिए 5100 रूपये नजराना/उपहार न दिये जाने पर निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया और वहां से चले गये।

आगरा में यमुना नदी में डूबने से छह लड़कियों की मौत, मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख की मदद के निर्देश

एजेंसी

आगरा। सिकंदरा थाना क्षेत्र के नगला नाथू में यमुना नदी में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से एक ही परिवार की छह लड़कियों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार ने इस घटना में मृतकों के परिजन को चार-चार रुपये की आर्थिक मदद करने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार नगला नाथू निवासी सुरेश कुमार की बेटी मुस्कान अपनी बहन और अन्य लड़कियों के साथ सुबह लगभग 10 बजे यमुना में नहाने गई थी। नहाने के दौरान असावधानीवश छह लड़कियां गहरे पानी में डूब गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हाहाकार मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी तत्काल पुलिस प्रशासन के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों, ग्रामीण व पुलिस प्रशासन की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। गोताखोरों ने जब तक सभी लड़कियों को पानी से बाहर निकाला, तक तक चार

लड़कियों की मौत हो चुकी थी। दो लड़कियों की सांस चल रही थी। उन्हें तुरंत नजदीक के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन दोनों लड़कियों की भी मौत हो गई। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि यमुना नदी में डूबने से मरने वाली बच्चियों की पहचान मुस्कान उम्र 18 वर्ष, संध्या उम्र 12 वर्ष व दिव्या उम्र 13 वर्ष पुत्रीगण सुरेश कुमार निवासी नगला नाथू के अलावा नैना, उम्र 14 वर्ष पुत्री दिनेश, निवासी नगला नाथू, शिवानी, उम्र 17 वर्ष पुत्री सुंदर लाल निवासी नगला रामबल, नाराइच और सोनम उम्र 12 वर्ष पुत्री अशोक कुमार निवासी नगला नेहरा, जलेसर रोड टेडी बगिया के रूप में हुई है।

जिलाधिकारी बंगारी, अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह और नगरायुक्त अंकित खंडेलवाल अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। परिजनों ने बताया कि सभी ने नहाने के दौरान नदी के किनारे वीडियो भी बनाया है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिलाधिकारी बंगारी ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नदी किनारे सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के निर्देश दिए।

मोदी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाने में जुटे कार्यकर्ताः योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि वे केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। मोदी सरकार की 11 साल उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री योगी केन्द्र में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष' थीम पर इस कार्यशाला की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि से हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में प्रभावशाली नेतृत्व प्राप्त होना हम सभी का सौभाग्य है। मोदी सरकार

की 11 साल उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर वर्ग और संगठन को इस अभियान से जोड़ने और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अमृत काल में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं। इन उपलब्धियों को प्रदेश, जनपद, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की रूपरेखा का उल्लेख करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने पहले भी उत्तर प्रदेश सरकार की आठ वर्षों की उपलब्धियों को हर बूथ तक पहुंचाया था। अब केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित करने का समय है, जिसमें राज्य और राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां शामिल होंगी। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे केवल पार्टी कार्यकर्ताओं तक सीमित न रहें, बल्कि आम जन, पेशेवर समूहों, और लाभार्थियों को भी अभियान से जोड़ें। उन्होंने हाल के विधानसभा उपचुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि संगठन, मोर्चा, और प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठकें प्रभावी रही हैं। भाजपा के छह मोर्चे और 22-23 प्रकोष्ठ समाज के हर वर्ग जैसे अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षक, छात्र, और लाभार्थी को समाहित करते हैं।

राज्यपाल ने सिंगताम का दौरा किया, स्थानीय लोगों से सतर्क रहने का आग्रह

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम में लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं, जबकि तीस्ता नदी का बढ़ता जलस्तर चिंता का विषय बनता जा रहा है। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने आज सिंगताम क्षेत्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान राज्यपाल ने स्थानीय प्रशासन के साथ राहत कार्यों की समीक्षा की तथा आपदा प्रबंधन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। इसके अलावा, राज्यपाल ने सिंगताम क्षेत्र के आसपास के स्थानीय लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने संबंधित विभागों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम

उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत भी की। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग, आपदा प्रबंधन टीम और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर में बारिश और बाढ़ का कहर : 5.5 लाख से अधिक प्रभावित, 36 की मौत

एजेंसी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के उफान से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 36 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 5.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बारिश के चलते सड़क, रेल और नौका सेवाएं बाधित हो गई हैं। क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। राहत और बचाव कार्य एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना की मदद से तेजी से जारी है। असम के 22 जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, राज्य की 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से लखीमपुर और कछार का दौरा किया और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं, सिक्किम में भी भूस्खलन से तीन सैनिकों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हैं। मृतकों की पहचान हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लाखड़ा के रूप में हुई है। लाचुंग और चुंगथांग से 1,678 फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि लाचेन में 100 से अधिक अब भी फंसे हैं। कई पुल क्षतिग्रस्त होने से गुरुडोंगमार लेक, वैली ऑफ फ्लावर्स और जीरो प्वाइंट जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच बाधित है। कठिन परिस्थितियों में राहत अभियान जारी है। मणिपुर में भारी बारिश के कारण नदी तटबंधों के टूटने से 19,800 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है और 103 बस्तियां जलमग्न हैं। राज्य प्रशासन ने 31 राहत शिविर बनाए हैं, जिनमें से अधिकतर इम्फाल ईस्ट में हैं। अरुणाचल प्रदेश के 23 जिलों और 156 गांवों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही मची है। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। कई स्थानों पर सड़कें धंसने से संपर्क टूट गया है। नगालैंड में भी लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की सूचनाएं मिली हैं। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना सामने नहीं है। कई क्षेत्रों में घरों और सड़कों को नुकसान होने की सूचना है। त्रिपुरा की स्थिति में थोड़ा सुधार आया है। बारिश कम होने और नदियों का जलस्तर घटने से राहत मिली है, लेकिन अभी भी 10,000 से अधिक लोग 66 राहत शिविरों में हैं। पश्चिम त्रिपुरा में सबसे अधिक प्रभावित परिवार हैं। मिजोरम में लगातार बारिश के चलते सभी स्कूल बंद रहे।

सावधानी से करें अपने जीवनसाथी का चुनाव

किसी को जीवनसाथी चुनने के लिए केवल यही जरूरी नहीं होता कि आप उसे प्यार करते हैं और इसीलिए वह आपके लिए एकदम ठीक है। यह जानना भी जरूरी है कि क्या आपका और उनका साथ पूरी तरह से ठीक बैठता है? इसे अच्छी तरह विचार करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि यह आपकी जिन्दगी का एक अहम फैसला है। आपकी पसंद पर ही आपका पूरा भविष्य टिका होता है, इसीलिए आपको अपनी तरफ से पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए कि आपकी पसंद एकदम सही है।

इसके लिए सबसे पहले आपको अपने आप से पूरी ईमानदारी के साथ यह सवाल करके देखना होगा कि आप उसे प्यार क्यों करती हैं या उसके साथ क्यों हैं? अगर आप ठीक यही प्रश्न अपने मित्रों से करें तो शायद उन्हें आश्चर्य भी हो सकता है। उनका जवाब यही होगा कि क्योंकि वह मुझे प्यार करता है या फिर मैं उसे दुखी नहीं करना चाहती। इस तरह के उत्तर इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यह रिश्ता पूरी तरह से डर, असुरक्षा व दया पर आधारित है। लेकिन जब रिश्तों में बहुत सारे अगर-मगर, लेकिन व और आने लगें तो इसका अर्थ है कि जल्दी या देर से ही सही इस रिश्ते का अंत निश्चित है।

यहां इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि आपका संबंध विच्छेद हो जाएगा। हो सकता है कि आप अपनी बाकी की जिंदगी एक-दूसरे के साथ ही गुजार दें लेकिन एक आदर्श जोड़े के रूप में आप नाकामयाब हों। तो फिर प्रश्न उठता है कि अपना सही जीवनसाथी कैसे चुनें। यह तो स्वाभाविक है कि आप उसे साथी चुनते हैं जो आपको पहली नजर में ही शारीरिक रूप से आकर्षित करे, पर इसका अलावा भी बहुत से ऐसे पक्ष हैं जो महत्वपूर्ण हैं, जिनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बातचीत का स्तर

जब आप अपने साथी से बात करें तो यह देखें कि क्या उसका और आपका स्तर समान है? आपकी बात का जवाब देने में उसे कितना समय लगता है? क्या आप बोर हो जाती हैं जब आपके प्रश्न के उत्तर में वह बाकी सब कुछ बताता है केवल उसे छोड़कर जो आपने पूछा था? या फिर वह जो मजाक करता है उसे आप पसंद करती हैं? क्या वह आपकी तुलना में बहुत धीरे बोलता है? जब आप बोलती हैं तो क्या वह पूरी तरह आपकी बात समझता है? क्या आप वास्तव में उससे सभी तरह की बातें कर सकती हैं?

समान रूचि

आप दोनों में ऐसा कुछ जरूर होना चाहिए जो समान हो। अन्यथा न तो आपके पास बात करने के लिए कुछ होगा और न ही मिलकर कुछ करने के लिए। ऐसे में शारीरिक संबंध भी आपको काफी दूर ले जा सकते हैं। जब दो व्यक्तियों की एकदम अलग रूचियां हों तो ऐसे में हमेशा किसी एक को दूसरे के लिए अपनी इच्छाओं की बलि देनी होगी। या फिर आप पूरी तरह से अलग जिंदगी जिएंगे।

ख्वाहिशे

क्या आप दोनों ही जिंदगी में एक ही तरह की चीजें चाहते हैं? या वह आपको पीछे करके स्वयं आगे जाना चाहता है? क्या वह आपको अपनी इच्छा का कॅरियर अपनाने की स्वतंत्रता देने की इच्छा रखता है? यहां तक कि अगर देर रात तक काम करना हो तो वह इसकी इजाजत देगा?

उक्त बातों में बहुत सी चीजें आपकी व्यक्तिगत पसंद पर आधारित होती हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप क्या हैं और आप क्या स्वीकार नहीं करना चाहतीं? केवल इसीलिए कि आप किसी को प्यार करने लगी हैं इसलिए वह आपके लिए उचित जीवनसाथी नहीं हो सकता। बहुत से लोगों के अनुभव इस बात को सिद्ध करते हैं।

ऐसे रखें बालों का ख्याल

नारी की खूबसूरत का आइना, नारी के केश से लगाया जाता है, जो उनमें एक अलग तरह की जान डाल देते है। इन केशो को और अधिक खूबसूरत बनाने के लिए हम आपको बता रहें कि क्या करें, क्या न करें?

- केशों की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आप अपने केशो को सप्ताह में कम से कम दो बार अवश्य धोया जाए।
- गंदे और चिपचिपे केशों को हर दूसरे व तीसरे दिन धोएं ताकि उनमें जमे धूल के कण साफ हो जाए।
- केशों को धोते समय उन्हें कई बार साफ पानी से धोएं। यदि केशों में शैंपू या कंडीशनर रह जाए तो केशो को हानि पहुंचाती है।
- अगर आप अपने केशो में कई प्रकार के प्रोडक्ट्स का प्रयोग करती है तो आपको नियमित रूप से केशो की सफाई करनी होगी क्यो कि ये केशो को कमजोर बना देते है।

- केशो को धोने के बाद हो सके तो धूप में या फिर हवा में ही सुखाएं। अगर आप केशो को सुखाने के लिए ड्रायर का उपयोग करते है तो केशों को अधिकतम हीट पर न सुखाएं क्यो कि हीट से सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। जब केश बहुत गीले हो तो उन्हें ब्लो ड्राई न करें। इससे उनकी जड़ों को नुकसान पहुंचता है। ड्रायर को कभी भी एक स्थान पर रोककर न रखें। हल्के हल्के घुमाते हुए केश सुखाएं। आधे केशों के सूखने के बाद ड्रायर को कूल पर सेट करें। केशों को खोलकर ही सुखाएं।
- केशो में कंघी को सही रूप से करना चाहिए और ज्यादा कंघी को करने से केशो को हानी पहुचती है, जिससे तैल ग्रंथियां बहुत ज्यादा सक्रिय हो उठती हैं, और वे चिपचिपे से हो जाते हैं।
- चिपचिपे केशों में मिट्टी व धूल के कण जमा हो जाते हैं। इससे केशों की बाहरी सुरक्षात्मक झिल्ली को भी नुकसान पहुंचता है।
- स्वस्थ व सुंदर केशों की सफाई के लिए शैंपू व कंडीशनर बेहद जरुरी है, क्योंकि ये केशों पर एक अस्थायी सुरक्षात्मक परत चढ़ा देते हैं और इससे केशों को खास चमक प्रदान होती हैं।
- पौष्टिक आहार से केशों की जड़ों को अंदर से पोषण मिलता है। ताजे फल, हरी सब्जियां व प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में लें। केशों में चमक लाने के लिए विटामिन ई युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें व सिर की तेल से मालिश करें।

ऐसा हो रिश्तों का बंधन

प्यार एक ऐसा बंधन होता है, जो कि विश्वास पर टिका होता है, अगर ये विश्वास न रहा तो आपका प्यार को टूटने से कोई नहीं बचा सकता है। इसे निभाने के लिए प्यार के डोर को मजबूत करना होता है, तभी आपके रिश्ते को लंबी उम्र मिल सकती है। इसके लिए आपको इन बातो का ध्यान रखना होगा...

हर समय साथ दें : क्या आप जानते है कि आपके अपने इतने सारे दोस्तो में आप किसी एक को ही क्यों पंसंद करते हैं, क्योंकि वो आपको आसानी से समझ सकता है, तभी तो आप उससे प्यार करने लगते हैं और हर समस्या का निवारण आसानी से हो जाता है। जब भी कोई सिचुएशन आती है, तो आपको अपने साथी की मदद करनी चाहिए।

सम्मान अहम है : भारतीय समाज में सम्मान की अहम भुमिका होती है इसके लिए आपको एक-दूसरे को सम्मान देना जरूरी है, जो आपके रिश्तो को करीब लाऐगी, और रिश्तो मे कड़वाहट को दूर करेगी।

समझे स्थिति को: आपको अपने रिश्तों में एडजस्टमेंट करना जरूरी है, इससे आपकी स्थिति मे काफी सुधार होगा। आप अपने अनुसार परिस्थिति को समझने की कोशिश करें ताकि आपके हालातो में सुधार होगा।

रखें विश्वास: रिश्तों में विश्वास का होना जरूरी है। जिस रिश्ते में विश्वास नहीं होता है, वहां रिश्ते की नींव डगमगाने लगती है। परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, आपको एक-दूसरे पर विश्वास रखना होगा तभी जीवन की गाड़ी आगे बढ सकती है।

दोहरी चुनौती से जूझती कामकाजी महिलाएँ

आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं।

समाज में अब एक क्रांतिकारी परिवर्तन आ चुका है। इसमें और चीजों के साथ ही महिलाओं की दशा भी सुधरी है। आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। जिससे कामकाजी महिलाओं की आफिसों में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

रेखा को जब नौकरी मिली तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन धीरे-धीरे अपनी खुशियां उसे एकदम धूमिल होती नजर आने लगीं। रेखा पहले दिन जब आफिस गई तो वहां का वातावरण उसे बहुत अच्छा लगा। शुरू-शुरू में तो सभी सहकर्मियों का व्यवहार भी अच्छा रहा। लेकिन धीरे-धीरे पुरुष सहकर्मियों के प्रति उसकी धारणा बदलने लगी, हर पुरुष उसे अजीब नजरों से देखता। पहले जींस और शर्ट पहन कर आफिस जाने वाली रेखा को लगा कि इसका कारण शायद उसके आधुनिक कपड़े ही हैं। अतः उसने अपने कपड़ों पर ध्यान दिया और आफिस जाने के लिए ऐसे वस्त्र पहनने शुरू किये, जिनमें बदन न दिखता हो। वह आफिस में काम करते समय भी सतर्क रहती थी कि कहीं उसका बदन न दिखाई दे। साड़ी के पल्लू और दुपट्टे को वह हमेशा व्यवस्थित रखती थी फिर भी पुरुष सहकर्मियों की निगाहें उसे वस्त्रों के अंदर कुछ तलाशती सी महसूस होतीं। यह स्थिति रेखा के लिए बड़ी अजीब थी।

यही नहीं एक दिन तो हद ही हो गई, जब उसका एक पुरुष सहकर्मी जोकि उसमें बहुत रूचि लेने लगा था और जिसे रेखा ने समझाते हुए कहा भी था कि वह शादीशुदा है और उसका अपने पति पर पूरा विश्वास है तथा दोनों का मजबूत दांपत्य है। लेकिन इन सबके बावजूद वह कुछ समझने को तैयार नहीं था। उसने एक दिन प्रेमपत्र लिखा और रेखा की मेज पर छोड़ दिया। रेखा ने जब पत्र देखा तो वह गुस्से में आ गई और उसने वह पत्र अपनी एक महिला सहकर्मी को दिखाया तो उसने बताया कि आफिस में इसके पहले भी कुछ महिलाओं के साथ ऐसी घटनाएं घटी हैं। महिलाओं ने जब विरोध किया तो उन्हें बदनामी उठानी पड़ी। कुछ महिलाओं को तो इस बदनामी के चलते मजबूर हो कर नौकरी तक छोड़नी पड़ी। रेखा जैसी एक नहीं अनेकों महिलाएं हैं, जो अपने पुरुष सहकर्मियों के कारण मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहती हैं लेकिन अब इन महिलाओं को नौकरी छोड़ने या पुरुष सहकर्मियों से दबने की आवश्यकता नहीं है। आज केन्द्र सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारों में एक प्रकार के शिकायत प्रकोष्ठ की व्यवस्था है, जिनमें महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। लेकिन होता यह है कि महिलाएं बदनामी के डर से किसी से शिकायत नहीं करतीं और स्वयं में घुट कर रह जाती हैं।

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि बदलते परिदृश्य और आधुनिक जीवनशैली की एक आवश्यकता है कि वह घर की जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ आफिस की जिम्मेदारी भी संभालें। अगर कोई महिला कार्यालय के किसी सहयोगी से परामर्श लेती है, किसी बहस में गर्मजोशी से भाग लेती है तो पुरुष उस महिला के प्रति गलत धारणा बना लेता है। उसे लगता है कि वह महिला उसमें रूचि ले रही है। अतः वह इसका लाभ उठाने के लिए तैयार रहता है। कभी-कभी वह अनुचित प्रयास भी करता है। ऐसे में महिला यदि शिकायत भी करे, तो गलत उसे ही ठहराया जाता है। वैसे यह तथ्य भी उभर कर आया है कि कामकाजी महिलाओं को छेड़ने के मामले में उनके बॉस की भूमिका कम होती है। इस संदर्भ में कई लोगों का कहना है कि महिलाओं से छेड़छाड़ में सहयोगियों का हाथ ही अधिक होता है। कामकाजी महिलाएं ऐसे मामलों में परिवार के सदस्यों की बजाय दोस्तों से सलाह लेना अधिक पसंद करती हैं। खासकर वे इस बात की चर्चा अपने पति से कभी नहीं करतीं। उन्हें इस बात का भय रहता है कि पति उन्हें गलत समझेंगे और उनका दांपत्य टूट जाएगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह आफिस में अपने काम से काम रखें और बेफालतू की बातों में न उलझें। वैसे पुरुष कर्मियों का भी यह फर्ज बनता है कि वह हंसी मजाक तो करें लेकिन उसकी एक सीमा हो। दोनों पक्षों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह मर्यादा की सीमा को न लांघें और न ही ऐसी स्थितियां पैदा करें जिससे दूसरा व्यक्ति मानसिक तनाव में आ जाए।

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले, मेरा दिल और आत्मा आरसीबी के साथ

मैंने अपनी जवानी और अनुभव सहित सभी टीम को दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद उसके पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। विराट ने कहा कि मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है। ये कहते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल गये। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने जैसे ही 20वें ओवर की अंतिम गेंद फेंकी। जीत की खुशी में विराट की आंखों से आंसू गिरने लगे। अपना चेहरा उन्होंने छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ियों ने उन्हें घेरे लिया। 18 नंबर की जर्सी का खिताबी इंतजार 18 साल में जो समाप्त हुआ था। तीन फाइनल हारने के बाद आरसीबी पहली बार कोई फाइनल जीती है। ये क्षण विराट पर भरोसा करने वाली एक टीम के लिए भावुक करने वाला था। पिछ्ले 18 साल की असफलता और निराशा इस एक पल में कहीं पीछे हो गई। एक खिताब जिसकी तलाश में विराट थे वह आंखिरकार उन्हें मिल ही गया। विराट ने जीत के बाद कहा कि ये ट्रॉफी जितनी मेरे लिए है, उनती ही प्रशंसकों के लिए भी कीमती है। पिछले 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टीम को अपनी जवानी, अपना अनुभव सहित सब कुछ दिया है। मैंने हर सीजन में इसे जीतने की कोशिश की थी। अंत में ये जीत हासिल करना विश्वसनीय एहसास है। इसी कारण आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद मैं भावनाओं से भर गया था। मैंने इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी यह एक अनौखा अनुभवी है। विराट के एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो लगातार एक ही टीम से खेल रहे हैं।

बिहार के राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है। इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशसन की ओर से कहा गया है कि समय समय सीम में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। मैदान के बाहरी एरिया को विकसित करने के लिए समुचित निदेश दिया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 72843 वर्गमीटर भूखण्ड पर किया जा रहा है जिसमें 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और मैनेजर के लिए बैठने की विशिष्ट व्यवस्था, वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष स्टैंड शामिल होगा।

भारतीयों की मालिकाना हक वाली विदेशी टी-20 टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भरमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर रोक लगा रखी है। न सिर्फ द्विपक्षीय श्रृंखलाएं रुकी हैं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी गतिविधियां हैं, जिनके चलते भारतीय जनभावनाएं भी इसी दिशा में दृढ़ रही हैं। हालांकि, इसी दौरान एक विरोधाभासी तस्वीर विदेशी टी-20 लीगों में देखने को मिल रही है, जहां भारतीय उद्यमियों और कंपनियों के स्वामित्व वाली टीमों में पाकिस्तानी या पाक मूल के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रही टी-20 लीग प्रतियोगिताओं में कई ऐसी टीमें हैं जिनके मालिक भारतीय हैं, लेकिन उनके खिलाड़ी पाकिस्तानी हैं। इनमें रिलायंस समूह, अदाणी समूह, कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान, और यहां तक कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला तक शामिल हैं। इन टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं या फिर हाल ही में दूसरे देशों की नागरिकता लेकर वहां की लीगों में खेल रहे हैं।

उदाहरण के लिए, यूएई में इंटरनेशनल लीग टी-20 की टीम 'अबूधाबी नाइट राइडर्स' में अली खान और इबरार अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि इसके मालिक हैं कोलकाता नाइट राइडर्स के भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारी। 'एमआई एमिरेट्स', जो रिलायंस ग्रुप की टीम है, उसमें मोहम्मद वसीम, जहूर खान जैसे पाक मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में 'सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स' टीम के पास हैरिस रऊफ और हसन खान जैसे सीधे पाकिस्तान से आने वाले खिलाड़ी हैं। इस टीम के मालिक वेंकी हरिनारायण और आनंद राजारमन जैसे भारतीय मूल के लोग हैं। सिएटल ऑरकॉस टीम में पाकिस्तान मूल के शायन जहांगीर हैं और यह टीम माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला के स्वामित्व में है। टेक्सॉस सुपर किंग्स, लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स, और वॉशिंगटन फ्रीडम जैसी टीमों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिनके मालिक भारतीय हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत और पाकिस्तान के संबंध बेहद संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी क्रिकेट से दूरी बनाई गई है।

लीग क्रिकेट के प्रति आकर्षित होकर समय से पहले संन्यास ले रहे खिलाड़ी

-आने वाले समय में क्लब कल्चर हावी होगा

मम्बई (एजेंसी)। जिस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने टी20 लीग में खेलने अचानक ही अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उससे ये संकेत मिल रहे हैं कि भविष्य में क्रिकेट में भी क्लब कल्चर आयेगा। मैक्सवेल और क्लासेन से पहले भी कई अन्य खिलाड़यों ने भी ऐसा ही किया है। इसमें वेस्टइंडीज के सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। इससे वेस्टइंडीज की टीम बेहद कमजोर हो गयी क्योंकि दिग्गज खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जगह लीग क्रिकेट को प्राथमिकता देने लगे। खिलाड़ियों इस बदलाव के पीछे व्यक्तिगत प्राथमिकताएं, वित्तीय लाभ, और खेल की बढ़ती व्यावसायिकता शामिल हैं। पहले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ही देश के बजाए फ्रेंचाईजी क्रिकेट को अधिक वरीयरता दे रहे था पर अब इनमे कई और देशों के खिलाड़ी भी शामिल होने लगे हैं। न्यूजीलैड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन सहित कई खिलाड़ियों ने केन्द्रीय अनुबंध देने से हंकार कर दिया है।

हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न देशों के 60 फीसदी सवे अधिक प्रमुख खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर केवल घरेलू फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने पर विचार कर रहे हैं. इसका मुख्य कारण लीगों में बेहतर वित्तीय अवसर और कम समय की प्रतिबद्धताएं हैं। इसके

परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्राथमिकता में कमी और लीगों की बढ़ती लोकप्रियता देखी जा रही है। जिस उम्र में खिलाड़ी सन्यांस ले रहे है वो खेल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता रहा है।

खिलाड़ियों का यह रुझान अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है जो खेल की संरचना में बदलाव का संकेत देता है कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने इसपर चिन्ता जतायी है, और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया है पर किसी भी देश के पास अपने स्टार खिलाड़ियों को रोकने के लिए कोई योजना नहीं है। खिलाड़ियों को केवल सेंट्रल अनुबंध देकर नहीं रोका जा सकता. मैक्सवेल और क्लासेन दोनों ने के संन्यास के कारण अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर के इस मोड़ पर व्यक्तिगत और पेशेवर कारणों का हवाला दिया है। .

क्लासेन ने 33 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने पारिवारिक समय और बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता दी है हालांकि वह फ्रेंचाइजी लीगों में खेलते रहेंगे। इससे जो संकेत मिल रहे है कि उनको अगले कुछ सालों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट के तमाम अनुबंध हैं। मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया, ताकि वह 2026 टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर सकें और फ्रेंचाइजी लीगों में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर सकें। एविन लुईस वेस्ट इंडीज के इस बल्लेबाज ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहने का फैसला किया। उन्होंने विभिन्न लीगों में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई है.

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने 2021 में फ्रेंचाइजी क्रिकेट से संन्यास लिया था पर वह आईपीएल खेल रहे हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 2021 में रिटायरमेंट लिया वह भी लीग क्रिकेट में सक्रिया हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहे कम उम्र में जिस तरह से तमाम क्रिकेटर इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो रहे है उससे एक संकेत तो साफ है कि फ्रंचाइज क्रिकेट का बाजार और उसकी चमक धमक खिलाड़ियों को बेहतर भविष्य के संकेत दे रही है और सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड उन्हें रोक नहीं पा रहें हैं।

क्रिकेटर कुलदीप यादव ने कानपुर की वंशिका से की सगाई, लखनऊ में हुआ समारोह

लखनऊ ।भारतीय टीम के गेंदबाज कुलदीप यादव ने बुधवार को लखनऊ में सगाई कर ली है। कुलदीप ने कानपुर की ही रहने वाली वंशिका से सगाई की है। वंशिका कानपुर के लाल बंगला इलाके की रहने वाली हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं और उनके पिता एलआईसी में अधिकारी हैं। कुलदीप और वंशिका की सगाई लखनऊ स्थित होटल में हुई, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह भी शामिल हुए। 14 दिसंबर 1994 को कुलदीप यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुआ। वह नौ साल की उम्र तक यहीं रहे। इसके बाद पढ़ाई और प्रशिक्षण के लिए पिता परिवार सहित कानपुर शिफ्ट हो गए थे। कुलदीप पहले एक तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। लेकिन कोच की सलाह पर स्पिन गेंदबाज बने।

आईपीएल ट्रॉफी के साथ बेहद खुश नजर आये विराट और अनुष्का

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खिताबी जीत के बाद भावुक हो गये और दौड़कर अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गये। इस दौरान अनुष्का भी भावुक नजर आयीं क्योंकि टीम ने जो सपना देखा था वह अब साकार हुआ। विराट एक दशक से अधिक समय से इस जीत का इंतजार कर रहे थे। साल 2008 से ही वह आरसीबी से खेल रहे थे इस दौरान टीम तीन बार फाइनल में भी पहुंची थी पर उसे खिताब नहीं मिल पाया था। इस बार ट्रॉफी के साथ विराट और अनुष्का बेहद खुश दिखे।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड) (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है।

केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोड(70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ(41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया। जो रूट (44) का शमारा जोसेफने शिकार किया।

इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोती और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट की भूमिका निभाना चाहते थे शाहरुख

मुम्बई । हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया था और अब वह केवल एकदिवसीय खेलते हैं। विराट की फिटनेस ओर उसके खेल के प्रशंसक भारत ही नहीं दुनिया भर मे हैं। बॉलीवुड अभिनेता और आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान भी विराट के एक बड़े प्रशंसक हैं। शाहरुख का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह फिल्म में विराट की भूमिका निभाना चाहेंगे। शाहरुख एक ऐसे अभिनेता तो अपने को भूमिका में पूरी तरह से ढ़ाल लेते हैं। शाहरुख स्पोर्ट्स ड्रामा भी कर चुके हैं। साल 2017 में 'जब हैरी मेट सेजल' के प्रोमोशनल इवेंट में जब उन्से पू छा गया था कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर का रोल निभाना हो तो वे किसे चुनेंगे। तब उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा था 'विराट कोहली।' तब शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कोहली की तरह जुनून से भरा खिलाड़ी बनना चाहूंगा। उनकी एनर्जी और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता मुझे हैरान करती है।' यह सुनकर फिल्म की हीरोइन और तब विराट की गर्लफ्रेंड रहीं अनुष्का शर्मा ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ' इसके लिए आपको दाढ़ी तो बढ़ानी पड़ेगी।' इस पर शाहरुख ने अपने अंदाज में जवाब दिया, मैंने 'हैरी मेट सेजल' में दाढ़ी रखी थी न! मैं तो बिल्कुल विराट जैसा लग रहा था।.'इस जवाब से वहां सभी लोग हंसने लगे थे।

भारतीय क्रिकेट के नए 'कैप्टन कूल' के तौर पर उभरे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के 10 साल के खिताबी सूखे को पिछले बरस खत्म करने वाले श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन बनाने से बेहद मामूली अंतर से चूक गये लेकिन उन्होंने खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो सकती है।

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद अय्यर आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ऐसा किया है। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए काफी बड़ी बात है, जिसे इस महीने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। केकेआर ने पिछले साल उन्हें जाने दिया क्योंकि फ्रेंचाइजी को बड़ी रिटेंशन फीस (टीम में बनाये रखने की रकम) की उनकी मांग उचित नहीं लगी।

केकेआर का यह नुकसान पंजाब किंग्स के लिए एक बड़ा फायदा साबित हुआ। पंजाब की टीम को 30 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में एक समझदार और जज्बे वाला कप्तान मिला। ऐसा कप्तान जो करियर के उतार-चढ़ाव को शालीनता से संभालना जानता हो। शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा अभी नहीं हुई है। उन्हें इंग्लैंड में कप्तान के रूप में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा। लेकिन तीन जून 2025 के बाद श्रेयस संतोष अय्यर को भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक माना जाना चाहिए।

अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया के साथ मुंबई के उनके सीनियर रोहित शर्मा की तरह एक 'बिंदास मुंबईकर' के मिश्रण का पुट दिखा। आईपीएल के फाइनल में मंगलवार को आरसीबी के खिलाफ छह रन की हार के बावजूद अय्यर के आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने निराशा को पीछे छोड़ते हुए कहा, 'अभी काम आधा बाकी है, हमें अगले साल जीतना है।'

इंग्लैंड के लिए टीम में उनका न होना पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग के लिए भी काफी हैरानी भरा रहा। पोंटिंग ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले 'आईसीसी रिव्यू' में कहा था, 'मैं वास्तव में बहुत दुखी था लेकिन उसने इसे बहुत अच्छे से स्वीकार कर लिया है और वह आगे बढ़ गया है। उनकी आंखों में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने की ललक रहती है। वह हर मैच को जीतना चाहता है और एक सर्वश्रेष्ठ कप्तान के रूप में विकसित होना चाहता है।%

दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का यह बयान काफी मायने रखता है। पोंटिंग ने यह बात सिर्फ अपने फ्रैंचाइजी कप्तान का समर्थन करने के लिए नहीं कही। इन दोनों के बीच काफी पुराना रिश्ता है। साल 2017 में जब गौतम गंभीर ने बीच सत्र में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, तो पोंटिंग की सलाह पर ही अय्यर दिल्ली आईपीएल फ्रैंचाइजी के कप्तान बने। दिल्ली की फ्रेंचाइजी 2020 में आईपीएल फाइनल में पहुंची जो इस टीम की इस लीग की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। चोट के कारण ब्रेक लेने के बाद कैपिटल्स ने फैसला किया कि वे उन्हें टीम में बरकरार रख ऋषभ पंत को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। पंत उस समय के उभरते सितारे थे और कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखते थे।

अय्यर इसके बाद केकेआर के कप्तान बने और टीम 2024 में चैंपियन बनी। अय्यर को हालांकि इस खिताब का ज्यादा श्रेय नहीं मिला क्योंकि उन्होंने टीम की जरूरतों के हिसाब से निचले क्रम में बल्लेबाजी की। टीम के तत्कालीन मेंटोर और भारतीय टीम के मौजूदा कोच गंभीर को रणनीतिक सूझबूझ के लिए ज्यादा श्रेय मिला। कप्तान के सहज निर्णय और

समझदारी की गयी तैयारियों पर किसी का ज्यादा ध्यान नहीं गया। कोई खिलाड़ी हालांकि दो अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों का नेतृत्व करते हुए अलग-अलग प्रबंधन, अलग-अलग विचारधारा और खिलाड़ियों की बदलती सूची के साथ लगातार दो सत्र में फाइनल तक पहुंचता है तो उसकी रणनीतिक प्रतिभा को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

अय्यर को आखिरकार इस सत्र में उसका हक मिल गया। इससे यह भी साफ हो गया कि मैच की परिस्थितियों की समझ और रणनीति पर उसकी पकड़ बेजोड़ थी। उन्हें पता था कि जिन पिचों पर उछाल की कमी है, वहां काइल जैमीसन की 'बैक ऑफ द लेंथ' गेंदें कारगर साबित होंगी और यह मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्होंने विजयकुमार विशाख से बार-बार वाइड यॉर्कर डालने को कहा और यह कारगर साबित हुआ। क्वालीफायर दो में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने उनसे नकल बॉल से अपनी गेंदों की गति कम करने को कहा और यह कारगर भी रहा। उन्होंने दिखाया है कि रोहित शर्मा के वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी के लिए मजबूत उम्मीदवार माना जा सकता है। वह 50 ओवर के प्रारूप में बेहतरीन बल्लेबाज हैं और जब टी20 या टेस्ट की बात आती है तो वह जल्द ही दोनों प्रारूपों की टीम में जगह बनाने का माद्दा रखते है।'

खिताब जीतते ही बदला आरसीबी का नारा

अहमदाबाद ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कि मेहनत आंखिरकार रंग लायी और रजत पाटीदार की कप्तानी में उसने आईपीएल खिताब अपने नाम किया। फाइनल में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 184 रन ही बना पाई। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की पारी लड़खड़ा गयी और उसके हाथ से मैच फिसल गया। वहीं आरसीबी ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन किया। जीत के साथ ही आरसीबी का नारा भी बदल गया। अब तक जहां कन्नड़ भाषा में ई साला कप नमदे (इस बार कप हमारा होगा) का नारा टीम के खिलाड़ी लगाते थे। वहीं ट्रॉफी जीतते ही टीम का नारा भी बदल गया। इसी लिए टीम के कप्तान रजत पटीदार ने जीत के बाद कहा, ई साला कप नमदु। वहीं टीम के साथ लंबे समय तक रहे एबी डिविलियर्स ने नया नारा ई साल कप नमदु पोस्ट किया है। कन्नड़ में ई साला कप नमदु का मतलब होता है।] इस साल कप हमारा हुआ। आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना अलग ही अंदाज दिखाया। फाइनल में उसने एक रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 7 रनों से हराया। इससे पहले भी आरसीबी तीन बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी पर तीनो ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2008 में आईपीएल शुरु होने के 17 साल के बाद वह विजेता बनी है।।

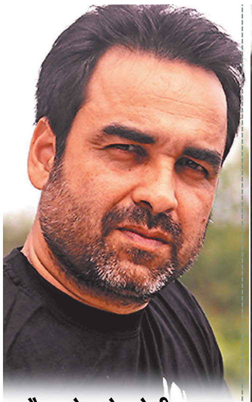

कौन बनेगा हेरा फेरी 3 का बाबूराव? परेश रावल करेंगे वापसी या पंकज त्रिपाठी निभाएंगे आइकॉनिक किरदार

फिल्म हेरा फेरी 3 इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। परेश रावल के फिल्म छोड़ने के बाद कई तरह के विवाद सामने आए और मामला अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंचने की स्थिति में है। इसी दौरान खबरें आ रही हैं कि परेश रावल एक बार फिर फिल्म में वापसी कर सकते हैं। साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि पंकज त्रिपाठी उन्हें रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अक्षय कुमार और परेश रावल ने फिल्म को लेकर चल रहा विवाद सुलझा लिया है। अब जल्द ही एक्टर फिर से फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। इसके अलावा हाल ही में परेश रावल के जन्मदिन पर सुनील शेट्टी ने भी उन्हें बर्थडे विश किया था। वहीं, कई यूजर्स का यह भी मानना है कि IPL 2025 के फाइनल मैच के दिन 'हेरा फेरी 3' का अनाउंसमेंट टीजर जारी किया जाएगा। इसी वजह से कुछ लोग परेश रावल के फिल्म में लौटने की खबरों को केवल एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी भी मान रहे हैं।

पंकज त्रिपाठी बनेंगे बाबूराव?

इसी बीच पंकज त्रिपाठी की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें उन्हें बाबूराव के सिग्नेचर हेयरस्टाइल और मोटे चश्मे में देखा जा सकता है। सफेद धोती और बनियान पहने हुए पंकज का लुक गोल्ड चेन और ब्रेसलेट के साथ पूरा होता है, जो इस किरदार की खास पहचान हैं। इसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या पंकज त्रिपाठी, परेश रावल की जगह बाबूराव का किरदार निभा सकते हैं। यूजर्स भी इस पोस्ट में जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि पंकज त्रिपाठी अपनी दमदार एक्टिंग और मजेदार अंदाज से इस किरदार को नया रूप दे सकते हैं।

हेरा फेरी 3 विवाद पर अक्षय कुमार ने दिया था रिएक्शन

फिल्म हेरा फेरी 3 में काम करने से परेश रावल ने इनकार कर दिया है। हाल ही में 'हाउसफुल 5' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय कुमार पहुंचे थे। इस दौरान जब उनसे परेश रावल के हेरा फेरी 3 छोड़ने को लेकर सवाल किया गया, तो एक्टर ने जवाब में कहा, 'पहले तो उनके बारे में कुछ भी गलत कहना बंद करिए। मैं पिछले 30-32 सालों से उनके साथ काम करता आ रहा हूं। हम बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह एक शानदार एक्टर हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। मुझे नहीं लगता कि यह वह जगह है जहां इस मुद्दे पर बात की जाए। यह एक गंभीर मामला है और जो कुछ भी होना है, वह कोर्ट में तय होगा। इसलिए मैं यहां इस पर कुछ भी कहने के पक्ष में नहीं हूं।

एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं रश्मिका मंदाना, कामयाबी के बाद मन में आता है ये ख्याल

साउथ की बेहतरीन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से शुरूआत की। इसके बाद उनकी कई फिल्में काफी हिट रही हैं। हालांकि वह साउथ में पहले ही अपनी अदाकारी से लोगों का दिल चुकी हैं। आज फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाली अभिनेत्री रश्मिका ने हाल ही में बताया है कि उनका सपना अभिनेत्री बनने का नहीं था।

रश्मिका ने बताया पूरी ईमानदारी से कहूं तो, मेरे बचपन में मैंने कभी भी अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा होगा क्योंकि यह कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था। लेकिन मैं अपनी जिंदगी में पीछे मुड़कर देखती हूं तो मैं अपने आपको किस्मतवाली समझती हूं। मैंने वह कदम उठाया जिससे मेरी जिंदगी सकारात्मक तरीके से बदली।

कुछ भी स्थाई नहीं सब बदल सकता है

रश्मिका ने लगातार सफलता के बाद दबाव को मैनेज करने के बारे में कहा जब सफलता और उम्मीदों के दबाव को संभालने की बात आती है, तो मैं पूरी तरह से जानती हूं कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। मैंने पहले भी कहा है, एक दिन आपके पास सब कुछ हो सकता है, और अगले ही दिन यह बदल सकता है।

मिला परिवार का साथ

रश्मिका ने आगे बताया कि उन्हें अपने परिवार से बहुत सपोर्ट मिला। इससे उन्हें चुनौतियों के सभी उतार-चढ़ावों को आसानी से पार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं अपने परिवार, करीबी दोस्तों और अपनी टीम का सपोर्ट पाकर अच्छा मससूर करती हूं। यह मुझे लगातार उन चीजों से जुड़े रहने में मदद करते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। इसलिए जब मैं असल में कामयाबी के लम्हों का आनंद लेती हूं तो मैं इसे विनम्रता के साथ स्वीकार करती हूं।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि रश्मिका मंदाना को आखिरी बार फिल्म छावा और सिकंदर में देखा गया था। फिलहाल उनके पास कई फिल्में हैं। वह जल्द ही थामा, कुबेर और पुष्पा 3 - द रैम्पेज में नजर आएंगी।

ऑस्कर विजेता निर्देशक की हॉलीवुड फिल्म से डेब्यू करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में अपनी हॉट अदाओं का जलवा बिखेरनी को तैयार हैं। वो ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से हॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार हैं। दिशा पाटनी सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' से हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी कर रहे हैं। खास बात ये है कि केविन इस फिल्म के जरिए लगभग 20 सालों के बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की अधिकांश शूटिंग मैक्सिको में हुई है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे कई इंटरनेशनल स्टार्स नजर आएंगे।

इस वजह से टला 'द ट्रेटर्स' में करण-जेनिफर का कमबैक

हाल ही में मीडिया में खबरें आई थीं कि पॉपुलर एक्टर्स करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट करण जौहर के नए रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक साथ नजर आ सकते हैं। ये खबर उनके फैंस के लिए खास थी क्योंकि दोनों की जोड़ी बहुत पसंद की जाती है। हालांकि, शो से जुड़े एक करीबी सूत्र ने हमें बताया कि ऐसा होने वाला नहीं है। अब शो के ट्रेलर में दोनों के नजर न आने से इस बात की पुष्टि भी हो गई।

वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया गया था

सूत्र कि मानें तो मेकर्स ने करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट दोनों को वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया था। उन्होंने बताया, शुरू में करण ने शो के लिए हामी भर दी थी, जेनिफर ने भी सहमति दी थी। लेकिन जेनिफर ने अपनी फीस बहुत ज्यादा मांगी, जो मेकर्स के बजट से बाहर थी। ऐसा उन्होंने जानबूझकर किया।

जेनिफर की फीस बनी रुकावट

सूत्र ने आगे बताया, शो के कई हिस्सों की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी थी। दोनों को बाद में जोड़ने की कोशिश हुई, लेकिन फीस को लेकर बात नहीं बनी, इसलिए उनकी एंट्री नहीं हो सकी।

'द ट्रेटर्स' किस तरह का शो है?

द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल रियलिटी शो का इंडियन वर्जन है। इस शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। इसमें 20 जाने-माने लोग एक साथ खेलेंगे। खेल में कुछ लोग बाकी लोगों को धोखा देंगे और गेम से बाहर करने की कोशिश करेंगे। शो में दिमाग से खेलने वाले टास्क, दोस्ती और धोखा देखने को मिलेगा।

ये सेलिब्रिटीज लेंगे हिस्सा

शो का ट्रेलर आज जारी हो गया है। धोखे और चालबाजियों से भरपूर इस रियलिटी शो के पहले सीजन में 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्वी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, पूरव झा, रफ्तार, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद शामिल हैं।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट घोषित

सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। इस खुशखबरी को खुद सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

क्या है निकिता रॉय की नई रिलीज डेट

सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। सोनाक्षी ने फिल्म के पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें! हमारी रोमांचक थ्रिलर निकिता रॉय की अब नई रिलीज डेट आ गई है! 27 जून 2025 को बड़े पर्दे पर रहस्य का पर्दाफाश होते देखें!

फिल्म निकिता रॉय

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है। सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में सोनाक्षी के अलावा परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन कपूर नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी, विक्की भगनानी और अंकुर टकरानी कर रहे हैं।

स्पिरिट' कंट्रोवर्सी में दीपिका के सपोर्ट में आए अजय देवगन

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट ने सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में एक नई बहस छेड़ दी है। फिल्म में काम करने के लिए दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी, जिसके बाद उन्हें अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म से निकाल दिया गया। अब इस मुद्दे पर अजय देवगन और काजोल ने बिना किसी का नाम लिए अपनी राय दी है। काजोल की फिल्म मां के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब अजय और काजोल से पूछा गया कि इंडस्ट्री में नई मांएं आठ घंटे की शिफ्ट की मांग कर रही हैं। क्या आपको लगता है कि ये डिमांड सही है? क्या फिल्ममेकर्स को ये पसंद आएगा? काजोल ने इस सवाल पर हंसते हुए कहा, मुझे यह बात पसंद आई कि आप कम काम कर सकते हैं। तभी अजय ने बीच में ही काजोल को रोका और माफी मांगते हुए कहा- ऐसा नहीं है कि यह लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। अधिकांश ईमानदार फिल्ममेकर्स को इससे कोई समस्या नहीं होगी। इसके अलावा, मां होने के नाते आठ घंटे काम करना, ज्यादातर लोग आठ-नौ घंटे की शिफ्ट में काम करने लगे हैं। यह पर्सन टू पर्सन डिपेंड करता है और मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में अधिकांश लोग इसे समझते हैं। ये सारा विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब ऐसी खबरें आई कि फिल्म स्पिरिट में काम करने के लिए दीपिका ने कई मांगे रखी हैं। इनमें आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। बता दें कि दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाने के लिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से डायरेक्टर संदीप खुश नहीं थे। दीपिका की मांगों को अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म में उन्हें तृप्ति डिमरी से रिप्लेस कर दिया गया है।

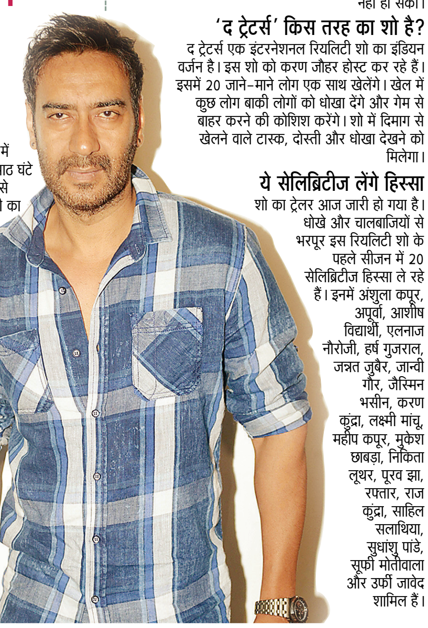

नेपोटिज्म पर बोलीं पलक जायसवाल, हेरा फेरी 3 विवाद पर दिया बड़ा बयान

सीरीज 'क्रैकडाउन' में साकिब सलीम के साथ काम करने के बाद अभिनेत्री पलक जायसवाल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में दमदार किरदार में नजर आईं। इस सीरीज के बाद से उन्हें काफी एप्रिशिएट किया जा रहा है। अभिनेत्री आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में अमर उजाला डिजिटल ने उनसे खास बातचीत की जिसमें एक्ट्रेस ने अपने करियर समेत कई मुद्दों पर बात की।

भोपाल की रहने वालीं पलक मायानगरी में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनका एक्टिंग का सफर कैसे शुरू हुआ तो उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से एक्टर नहीं बनना चाहती थी। छोटी उम्र में ही मैं मुंबई आ गई थी में मुंबई आ गई थी और मैंने स्कूलिंग यहीं से की। बचपन से डांस अच्छा करती थी तो मम्मी-पापा को यकीन था कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अच्छा करूंगी। पापा ने पृथ्वीराज थिएटर में ज्वाइन करा दिया और वही से एक्टिंग में दिलचस्पी आ गई।'

कैसे शुरू हुआ एक्टिंग का सफर?

पलक ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए बताया, 'पृथ्वीराज थिएटर ज्वाइन करने के बाद मैंने कुछ प्ले किए। इसके बाद मुझे कुछ ऐड करने का भी मौका मिला। इसके बाद कोविड आ गया जिसके बाद कुछ सीरीज और गाने आए मेरे लेकिन 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' मेरे करियर का अब तक का सबसे बड़ा मौका है।'

नेपोटिज्म पर पलक ने क्या कहा?

इंटरव्यू में पलक से जब नेपोटिज्म को लेकर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि एक आउटसाइडर होने के नाते वैसा कुछ फेस करना पड़ता है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नेपोटिज्म हर चीज में हैं। ये स्टार किड्स की ब्लेसिंग है, उनकी फैमिली से उन्हें वो मिला है। लेकिन हमेशा हर किसी के लिए ये काम नहीं करता है। सभी लोग आलिया भट्ट के जैसे ही वो नाम नहीं कर पाते जो उनके पेरेंट्स कर पाए हैं। तो सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है।'

आलिया जैसे रोल करना चाहती हैं पलक

जब पलक से पूछा गया कि वो एक एक्टर के तौर पर किसे अपना आइडियल मानती हैं तो उन्होंने बताया कि हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कहा, 'जब वो किसी भी किरदार में होती हैं तो उसमें ढल जाती हैं, इसलिए मैं बिल्कुल उनकी तरह ही बनना चाहती हूं। और मैं उम्मीद करती हूं कि आलिया भट्ट के दमदार किरदारों के जैसे ही मैं भी काम करूं।'

परेश रावल ने की सीरीज की तारीफ

पलक की सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' की तारीफ करते हुए हाल ही में दिग्गज एक्टर परेश रावल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ऐसे कॉन्टेंट को सिनेमा में बढ़ावा मिलना चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, उनके बाबूराव के किरदार को देखकर लगता है कि काश मैं भी ऐसी ही एक्टिंग कर पाऊं। तो उनके रिएक्शन से एक हिम्मत मिली कि ऐसे ही बस अच्छा काम करती जाऊं।'

तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का अनुभव

इंटरव्यू में पलक ने अपने को-स्टार मयूर मोरे और दिग्गज एक्टर तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया। उन्होंने बताया, 'मयूर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी क्योंकि उसने इतना अच्छा काम किया हुआ है। तिग्मांशु सर की मैं बहुत इज्जत करती हूं। उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। वो एक सीन में हमारे साथ शूट कर रहे थे। उनके आने से सेट पर सभी बहुत सीरियसली काम करते थे।'

सेलेब्स की सुरक्षा पर बोलीं एक्ट्रेस?

इसके अलावा एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि इन दिनों स्टार्स की सुरक्षा का मुद्दा काफी उठाया जा रहा है तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'ये बिल्कुल अच्छा समय नहीं चल रहा है, आज के टाइम पर हर किसी को सुरक्षा की जरूरत है। सेलेब्स का नाम है इसलिए उनके बारे में पता चल जाता है लेकिन सड़क पर चल रहीं महिला भी सुरक्षित नहीं है। तो कहीं ना कहीं हम सभी को ही सुरक्षा की जरूरत है।'

वर्कफ्रंट पर एक्ट्रेस पलक जायसवाल

फिल्म 'क्रैकडाउन' से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं एक्ट्रेस पलक जायसवाल हाल ही में क्राइम सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में नजर आई हैं। उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है। इसके अलावा उनकी झोली में कुछ और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स भी हैं जिनके बारे में अभिनेत्री फिलहाल कुछ बता नहीं सकतीं। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि वो इसी तरह से अपने काम के जरिए कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती रहें।